RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

इस पूरी दुनिया में इतना अंधकार नहीं है कि वो एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश बुझा सके।

भगवान बुद्ध


वर्ष-03, अंक - 49 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 09 सितम्बर 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


**चाल, चरित्र व चेहरे की पार्टी कहने वाले भाजपा नेताओं के वास्तविक चेहरे हो रहे बेनकाब**

## एबीवीपी ने फूंका भाजपा का पुतला....!

# ट्रांसफर को लेकर गूंज की खबर पर लगी मोहर, सांसद, जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष पर लगे गम्भीर आरोप

**झाबुआ में पहली बार रचा गया इतिहास, नेताओं की निजी स्वार्थ कार्यप्रणाली के साथ भाजपा की जड़ ने फूंका भाजपा का पुतला**

### ट्रांसफर किए गए कर्मचारियों के निरस्त करने के लिए दिए सांसद और मंडल अध्यक्ष के लेटर पेड सामने, सोशल मीडिया पर जमकर निकाली जा रही भड़ास

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

जिले की राजनीति में भाजपा के लिए पहले से कुछ ही ठीक नही चल रहा है। वहीं भाजपा के जिलाध्यक्ष सहित उनकी टीम के कई पदाधिकारीयो ओर भाजपा नेताओं पर गंभीर आरोपो की झड़ी लगी हुई है। खुद जिलाध्यक्ष महिला प्रताड़ना के एक से अधिक मामलो में उलझे हुए है तो कई विभागों में सामग्री सप्लाई, स्कूल ड्रेश सप्लाई, वसुली और संगठन के महत्त्वपूर्ण पद पर वसुली कर पद देने के मामले में आरोप लगते आ रहे है। जिलाध्यक्ष नायक के बीते एक वर्ष का कार्याकाल मानो जिले की भाजपा की राजनीति के लिए काला वर्ष ही रहा है। वर्षो तक इनके कार्यकाल को न केवल विपक्षी भुनाएगें, बल्कि खुद भाजपा आने वाले समय मे इन सबसे उभरने के लिए संघर्ष करेगी। विचारणीय तो ये है कि, मामूली आरोपो के बाद भाजपा अपने आपको चाल, चरित्र और चेहरा की दुहाई देकर अपने नेताओं पर अनुशात्मक कार्रवाई कर किसी भी बदनामी से बचने का प्रयास करती है। लेकिन नायक के मामले में ऐसा नही हुआ, निजी स्वार्थ और प्रभुत्व दिखाने के चक्कर मे नायक और देश-प्रदेश की राजनीति में बैठे उनके आकाओं ने पार्टी की प्रतिष्ठा निम्न स्तर तक धूमिल कर दी। जिसके आने वाले चुनावों से पहले उभर पाना भाजपा के लिए चुनौती रहेगी और जोबट विधानसभा के उप चुनाव सहित आने वाले चुनावो में इसका पूरा-पूरा प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

एबीवीपी ने भाजपा नेताओं का पुतला फूंक भाजपा नेताओं वास्तविक कथनी को किया उजागर।

भाजपा के विरूद्ध एबीवीपी कार्यकर्ता ने की नारेबाजी।

**ट्रांसफर के खेल में घिरी भाजपा एबीवीपी ने फूंका भाजपा का पुतला, जिलाध्यक्ष और सांसद पर लगाम नहीं लगी तो भाजपा को भविष्य में गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे**

भाजपा की जड़ या यूं कहें भाजपा के लिए युवा नेताओं की फौज तैयार करने वाला भाजपा का समकक्ष संगठन एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) जिला भाजपा नेताओं जिलाध्यक्ष, सांसद और संगठन के दूसरे पदाधिकारीयो से इतने त्रस्त हो गए कि, झाबुआ के राजवाड़ा पर भाजपा का पुतला फूंककर जिलाध्यक्ष नायक, सांसद डामोर ओर झाबुआ मंडल अध्यक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी ओर बयानबाजी करने पर मजबूर हो गए।

कांग्रेस समर्थक होने का सांसद गुमान का लेटर पेड हुआ वायरल।

प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष खुद एबीवीपी संगठन से निकले है और सैकड़ो एबीवीपी के पदाधिकारी भाजपा के विभिन्न पदों पर बैठे है। ऐसे में जिले में अपने ही भाजपा के जड़ कहे जाने वाले एबीवीपी द्वारा हुआ कड़ा विरोध तुरंत ही प्रदेश स्तर पर पहुंच गया। जिले के एबीवीपी कार्यकर्ताओ की सीधी मांग है कि, अगर जिले के भाजपा की राजनीति को बचाना है तो सांसद और जिलाध्यक्ष पर पार्टी को नकेल लगानी होगी, अन्यथा भाजपा जिले में पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

**स्थान्तरण को लेकर भाजपा में पड़ी फूट, गूंज कर चुका है पहले ही खुलासा**

सरकार की ट्रांसफर नीति लागू क्या हुई माने भाजपा नेताओ की चांदी हो गई और जिले भर में वसुली का बड़ा खेल शुरू हो गया। कांग्रेस की 15 माह की सरकार में आए कर्मचारियों सहित भाजपा के विरोध में रहने वाले कांग्रेस और जयस संगठन से जुड़े कई कर्मचारी ओर अधिकारियो से ट्रांसफर के नाम पर वसुली की गई। एक-एक मण्डल से लगभग 200-300 नामो की सूची जिलाध्यक्ष तक पहुँची, लेकिन जिनके भी नाम थे उन तक गुप्त रहने वाली सूची से नाम निकल कर भाजपाई दलालो के माध्यम से वसुली का जरिया बन गए। सूत्रों की माने तो जिलाध्यक्ष ने दो जिला महामंत्री और कुछ मंडल अध्यक्ष के जरिए वसुली को अंजाम दिया। जिसके चलते कई मंडल अध्यक्षो और भाजपा नेताओं के दिए नाम स्थान्तरण की सूची से गायब हो गए। जिसके चलते कई मण्डल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष से नाराज तक हो गए। इतना ही नही स्थान्तरण की सूची में केवल वो नाम रह गए जिनको एहसास ही नही था कि, उनका स्थान्तरण हो जाएगा। क्योंकि उनकी या उनके परिवार की पृष्ठ भूमि भाजपा या हिन्दू वादी संगठनों के समर्थन की थी लेकिन स्थानीय स्तर पर भाजपा नेताओं में चल रहे कॉम्पिटिशन व द्वेष भावना के चलते उनके नाम स्थान्तरण में भाजपा विरोधी या कांग्रेस समर्थक बताकर आगे कर दिए। स्थान्तरण में वो नाम भी नही थे जो 15 महीने की सरकार में भाजपा के समर्थन या उनके परिवार के लोग जो भाजपा से जुड़े होने के कारण जबरन ट्रांसफर का दंश झेल घर से दूर नोकरी कर रहे थे।

एबीवीपी ने कहा, भाजपा के विद्धवान व पितृ पुरूष को भाजपा नेता कर रहे शर्मशार, देखे क्युआर कोड स्केन कर।

मामले में गूंज ने अपने वेब न्यूज पोर्टल पर स्थान्तरण में चल रही धांधली और संगठन में जिलाध्यक्ष से नाराजगी और जिलाध्यक्ष की रवानगी तक का खुलासा किया था। लेकिन जिलाध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं ने कोई सबक नही लिया और विवादों के बाद भी ट्रांसफर के नाम पर वसुली का खेल जारी रहा, जिसके गंभीर परिणाम अब सामने आ रहे है।

**झाबुआ के कांग्रेस विधायक भूरिया की भांजी सहित चार कर्मचारियों के स्थान्तरण निरस्त होने से मचा बवाल**

अब तक दबी जुबान से भाजपा नेता जिलाध्यक्ष नायक ओर सांसद डामोर का विरोध दर्ज करा रहे थे वहीं पार्टी की अनुशंसा में रहकर कार्य कर रहे थे। लेकिन स्थान्तरण की इस बेला में ऐसे-ऐसे मामले भी घटीत हो गए और सब कुछ साफहो गया कि, भाजपा के जिम्मेदार नेताओ ने अपना स्तर कितने निम्न स्तर तक गिरा लिया।

मामला झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया की भांजी और तीन अन्य कर्मचारियों का है जिनका स्थान्तरण किया गया था, लेकिन चारो के स्थान्तरण को निरस्त कर पुर्व की मुल संस्थान पुनः पदस्थापना दी गई। बताया जा रहा है, इनका ट्रांसफर एबीवीपी के कोटे से समस्त प्रक्रिया के माध्यम से हुआ था, लेकिन इनके स्थान्तरण निरस्त हो गए। स्थान्तरण निरस्त होने के पीछे झाबुआ मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक व सांसद गुमानसिंह डामोर का लेटर पेड सामने आने के बाद तो मानो भाजपा की राजनीति में भुचाल ही आ गया। सोशल मीडिया पर भाजपा नेता सहित, भाजपा समर्थित संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा दोनों नेताओं के लेटर पेड और ट्रांसफर निरस्त के आदेश की प्रति जमकर वाइरल करते हुए सांसद, जिलाध्यक्ष ओर मंडल अध्यक्ष को जमकर खरी-खोटी सुनाई ओर इनको कांग्रेस के दलाल होने और वसुली करने तक के आरोप लगा दिए। जिसके बाद एबीवीपी के कार्यकर्ता भी सड़क पर उतर गए और झाबुआ के राजवाड़ा चौक पर भाजपा का ही पुतला फूंक दिया। एबीवीपी नेताओ का साफ कहना है कि, अगर जिलाध्यक्ष और सांसद पर लगाम नही लगी तो भाजपा को भविष्य में गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

**झाबुआ मंडल अध्यक्ष और सांसद डामोर का लेटर पेड वायरल होने के बाद नेताओं की बदनियती भी आई सामने**

स्थान्तरण निरस्त होने के आदेश के साथ शुरू हुई सोशल मीडिया की पोस्टों के बाद मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष और सांसद इसमें अपना हाथ नही होने की बात करते हुए बचाव की मुद्रा में आते हुए अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से सफाई पेश कर रहे थे। लेकिन पहले भाजपा के झाबुआ से मण्डल अध्यक्ष अंकुर पाठक का लेटर पेड़ वाइरल हुआ, जिसे अंकुर पाठक के समर्थकों ने फर्जी बताकर बचाव करने की कोशिश की। लेकिन कुछ ही समय मे सांसद डामोर का लेटर पेड वाइरल हो गया, जो आए दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और विधायक कांतिलाल भूरिया पर आरोप लगाते रहते है और उन्ही ही भांजी के ट्रांसफर को निरस्त करने के लिए लेटर पेड पर अनुशंसा कर दी। दोनो लेटर पेड वाइरल होने के बाद भाजपा के पूरे संगठन को सांप सूंघ गया और नेताओ बदनियती उजागर होने के साथ ही मामले में सब मुंह मुहे चुप हो गए।

**झाबुआ भाजपा नेताओं की कथनी ऐसी की मजबुर होकर प्रभारी मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री से बात कर झाबुआ जिले के प्रभार से मुक्त होऊंगा**

जिले की गंदी राजनीति व नेताओ की कथनी ऐसी की कोई बड़ा नेता व मंत्री भी जुड़ कर काम नही करना चाहता है, क्योकि यहां से बदनामी के अलावा कुछ भी हाथ नही लगता। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार सरकार द्वारा दी गई ट्रांसफर की अंतिम तिथि 31 अगस्त के ठीक पहले जिले के सभी गुट के नेता भोपाल प्रभारी मंत्री के पास गैर जरूरी स्थान्तरण को निरस्त करवाने या उनमें कोई संसोधन नही हो इसके लिए पहुंच गए।

बताया जा रहा है, इस दौरान झाबुआ के नेता आपस मे भीड़ गए जिसको देखकर प्रभारी मंत्री इतने क्षुब्ध हो गए कि, उनको ये कहना पड़ गया कि मैं, मुख्यमंत्री से बात कर झाबुआ जिले का प्रभार छोड़ दूंगा...! वेसे भी मेरे पास बैतूल जिले का प्रभार भी है और झाबुआ आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जानकारी ये भी मिली कि, प्रभारी मंत्री ने नेताओ से ये भी कहा कि, मेरे प्रभार वाले बैतूल जिले में भी ट्रांसफर हुए लेकिन वहां से निरस्त और संसोधन के लिए कोई नही आया। लेकिन झाबुआ के नेताओ से परेशान हो गया हूं...! एक ट्रांसफर करवाता है तो दूसरा रोकने को आ जाता है...! पहले निर्णय कर लो फिर यहां आना कहा। सूत्र ये भी बता रहे है, भाजपा नेताओं के बीच बहस और हाथापाई की भी स्थिति निर्मित हो गई थी और स्थानीय नेताओ के बीच चर्चाओं का दौर चल रहा है।

झाबुआ मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक का कांग्रेस समर्थक कर्मचारियों के स्थांतरण को रोक पुराने स्थान पर पदस्थ करने की अनुशंसा का लेटर हुआ वायरल।

**हो सकता है संगठन में फेरबदल, जोबट उप चुनाव होगा प्रभावित**

संगठन की उपेक्षा ओर मनमानी के आरोपो सहित महिला प्रताड़ना के गंभीर आरोपो से घिरे भाजपा के लक्ष्मण सिंह नायक पर संघ व संगठन के बड़े नेताओं का हाथ होने के कारण अब तक बचते आ रहे है। लेकिन पिछले दिनों में जो कुछ घटा उसके बाद बताया जा रहा है कि, उन बड़े नेताओं ने भी अपने हाथ खिंच लिए है और निर्णय भाजपा पर छोड़ दिया है।

मामला एबीवीपी से जुड़ा है जो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में अपना खासा प्रभुत्व रखता है और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित कई बड़े नेता संगठन के महत्त्वपूर्ण पदों पर है, अगर इस मामले के बाद एबीवीपी नेता अड़े गए तो न केवल संगठन में भारी परिवर्तन होगा बल्कि सांसद गुमानसिंह के पर तक कतर दिए जाएंगे। जिनकी व्यक्तिगत प्रभाव की राजनीति के कारण आज जिले में भाजपा की स्थिति इतनी गंभीर है कि, यदि आज चुनाव हो तो भाजपा एक भी सीट नही बचा पाएगी। फिलहाल संगठन की नजर झाबुआ से लगी आलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव पर है, जहां जिले की राजनीति का खासा प्रभाव पड़ता दिख रहा है। कांग्रेस के वर्चस्व वाली इस सीट पर सरकार में रहकर सीट निकालने की चुनोती के बीच टिकिट की मारामारी ओर पड़ोसी जिले में भाजपा में उठ रहे बड़े बवाल के बाद, भाजपा के लिए चुनाव जीत पाना टेडी खीर हो सकती है। जिससे पार पाने के लिए झाबुआ और अलीराजपुर जिले की राजनीतिक परिस्थितियों को भाजपा को अपने पक्ष में करना होगा जो फिलहाल जिलाध्यक्ष नायक ओर सांसद डामोर के होते दिख नही रहा है।

ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सअप पर भाजपा नेताओं का हुआ खुलकर विरोध।

## भाजपा सांसद अर्जुन सिंह के घर पर बम से हमला, राज्यपाल ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल से भाजपा के सांसद अर्जुन सिंह के आवास के बाहर बम धमाका हुआ। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। धनखड़ ने लिखा कि, पश्चिम बंगाल में प्रचंड हिंसा कम होने का नाम नहीं ले रही है। सांसद के आवास के बाहर बम विस्फोट चिंता की बात है और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती है। मैं इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा करता हूं। जहां तक अर्जुन सिंह की सुरक्षा का सवाल है तो पहले भी इस मुद्दे को उठाया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार घर पर जिस वक्त बम से हमला किया गया उस समय सांसद और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह मौजूद नहीं थे। हालांकि उनके परिवार के सदस्य उस वक्त घर पर ही थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली ताकि बम फेंकने वालों का पता लगाया जा सके।

### सिंह ने कहा- मुझे जान से मारने की रची जा रही साजिश

वहीं इस मामले पर अब अर्जुन सिंह का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि, यह उपचुनाव से पहले मुझे जान से मारने की कोशिश है, क्योंकि पार्टी ने मुझे भवानीपुर का इंचार्ज बनाया है। उन्होंने कहा कि, इस घटना की जांच भी बंगाल सरकार करेगी और पहले की तरह ही मामले को रफा-दफा कर देगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में न एफआईआर होगी न कोई चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

# लॉटरी के समर्थन पर कांग्रेस का सांसद प्रज्ञा ठाकूर पर तंज

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की सियासत में भाजपा और कांग्रेस के नेता हर समय एक दूसरे पर पैनी नजर जमाए रहते हैं और मौका मिलते ही वार पलटवार का दौर शुरू हो जाता है। ताजा मामला नैतिकता और अनैतिकता के बीच का है। प्रदेश सरकार द्वारा जुए, सट्टे और लॉटरी को वैध करने के प्रयासों के बीच सांसद प्रज्ञा ठाकुर के समर्थन पर कांग्रेस ने तंज कसा है और मांग की है कि वैश्यावृत्ति भी वैध करवा दीजिये इससे भी सरकार को राजस्व मिलेगा।

मध्यप्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी केके मिश्रा ने ट्वीट और बयान जारी कर मध्यप्रदेश सरकार और भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर पर हमला किया है। केके मिश्रा ने ट्वीट में कहा कि, संघ प्रचारक सुनील जोशी हत्याकांड में मप्र सरकार द्वारा निर्मित तकनीकी कारणों से बरी किन्तु मालेगांव ब्लास्ट में आज भी आरोपित भगवाधारी सांसद प्रज्ञासिंह राज्य में सट्टे-जुए को सामाजिक व धनोपार्जन का कारक बता कर उसकी वकालत कर रही हैं। वैश्यावृति भी वैध करवा दीजिए, राजस्व मिलेगा, ट्वीट के बाद कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने एक बयान भी जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था चुनौती के रूप में सामने है। कई तरह के माफिया जनता को झकझोर रहे हैं उस दौर में मप्र सरकार सट्टे और जुए पर लायसेंस देने के लिए नोटिफिकेशन जारी कर चुकी हैं ये शर्मनाक है।

उन्होंने आगे कहा कि सबसे अधिक विडम्बना इस बात की ही कि राजधानी भोपाल की सांसद जो भगवा वस्त्र पहनती हैं हत्या की आरोपी होने के बावजूद नैतिकता, संस्कृति और संस्कारों की दुहाई देती है वे सरकार के अवांछनीय कदम का इसलिए स्वागत कर रहीं हैं कि सरकार का रेवेन्यू बढ़ेगा।

## खुलासाः कोरोना के दुष्प्रभाव से 48 फीसदी छात्र पढ़ना-लिखना भूले

**नई दिल्ली।** कोरोना महामारी के चलते 17 महीनों यानी 500 दिनों से बंद स्कूलों का सबसे बुरा प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ा है। समाज के 1362 वंचित वर्ग के घरों के बच्चों के बीच किए गए सर्वे से पता चला है कि, ग्रामीण इलाकों में 37 फीसदी तो शहरी इलाकों में 19 फीसदी बच्चे इन दिनों बिलकुल भी पढ़ाई नहीं कर रहे हैं। केवल 8 फीसदी ही ऐसे बच्चे हैं जो ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल चिल्ड्रन ऑनलाइन और ऑफलाइन लर्निंग (स्कूल) सर्वेक्षण-÷लॉक्ड आउटः इमरजेंसी रिपोर्ट ऑन स्कूल एजुकेशन÷ में यह खुलासा हुआ है।

सर्वे में चौकाने वाली बात ये है कि, स्कूल बंद होने के चलते बच्चों की पढ़ाई लिखाई बंद हो गई है। उसका दुष्परिणाम ये हुआ है कि शहरी इलाकों के 48 फीसदी बच्चे ठीक से अक्षर और शब्दों को पढ़ नहीं पा रहे। शहरी इलाकों के 65 फीसदी तो ग्रामीण इलाकों के 70 फीसदी अभिभावकों का कहना है कि लॉकडाउन के चलते स्कूल बंद होने के बाद उनके बच्चे के पढ़ने लिखने की क्षमता में कमी आई है।

### डोर-टू-डोर टीकाकरण से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

**नई दिल्ली।** देश में चल रहे कोरोना वायरस के खिलाफटीकाकरण अभियान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने घर-घर जाकर टीकाकरण को लेकर आदेश देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, देश की विविध स्थितियों को देखते हुए घर-घर जाकर कोरोना का टीकाकरण करना संभव नहीं है। फिलहाल टीकाकरण सही तरीके से चल रहा है, ऐसे में हम मौजूदा टीकाकरण नीति को खत्म करने के लिए अलग से एक सामान्य आदेश पारित नहीं कर सकते।

## फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह का हुआ खुलासा

**ग्वालियर।** फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। हैरानी की बात तो ये है कि फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने का काम अंचल के सबसे बड़े अस्पताल समूह जयारोग्य अस्पताल में चल रहा था। गिरोह के एक सदस्य को अस्पताल प्रबंधन ने शिकायत मिलने के बाद पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी के पास से 34 आयुष्मान कार्ड मिले हैं। आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया गया है जिसे हिरासत में लेकर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। शुरुआत पूछताछ में गिरोह में दो लोग होने की बात सामने आई है।

जयारोग्य अस्पताल में भर्ती रामकुमार सिंह राजपूत नाम के शख्स को इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड की जरुरत थी। रामकुमार ने कार्ड के लिए आवेदन भी दिया था लकिन लिस्ट में नाम न आने के कारण उसका कार्ड नहीं बन पाया था। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रयासरत रामकुमार से एक दिन कृष्णा कुशवाहा नाम के युवक ने मुलाकात की और कहा कि, वो उनका आयुष्मान कार्ड महज 20 मिनिट में बनाकर दे देगा लेकिन इसके लिए 5 हजार रुपए लगेंगे। रामकुमार को मामला कुछ गड़बड़ लगा तो उन्होंने अस्पताल में ही आयुष्मान योजना के प्रभारी से पूरी बात बताई। उन्होंने आरोपी को रंगेहाथों पकड़ने का प्लान बनाया। आयुष्मान योजना प्रभारी योगेन्द्र परमार ने रामकुमार के जरिए कृष्णा को मिलने के लिए बुलाया और उसे धरदबोचा। अस्पताल में ही जब प्रबंधन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों ने कृष्णा की तलाशी ली तो उसके पास से 34 आयुष्मान कार्ड मिले जो कि फर्जी प्रतीत हो रहे हैं।

## प्रशासन आपके द्वार में चारणकोटड़ा पहुंचा प्रशासन

### कलेक्टर ने ग्रामीणों से रूबरू चर्चा की, उनकी समस्याओं को सुना एवं टीकाकरण के लिये प्रेरित किया

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जिला प्रशासन की एक अभिनव पहल प्रशासन आपके द्वार जिसके अंतर्गत चयनित दुरस्त ग्राम में प्रति सप्ताह पहुंच कर ग्रामीणों की समस्या का निराकरण स्थानीय स्तर पर ही किया जाना एवं ग्रामीणों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं से रूबरू करवाना एवं ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ किस तरह प्राप्त हो रहा है। इसकी समीक्षा इस शिविर में की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण एवं विभागीय योजनाओं से अवगत कराना था। इस हेतु विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं पेटलावद अनुभाग के अधिकारी आज ग्राम चारणकोटडा में उपस्थित हुए।

कलेक्टर मिश्रा ने ग्रामीणों से रूबरू चर्चा की एवं उनकी समस्याओं को सुना एवं टीकाकरण के लिये प्रेरित किया। जिन लोगों ने टीका लगवा लिया है उन्हे बधाई दी एवं जिनके द्वारा टीका नहीं लगवाया गया है उन्हे तत्काल लगाए जाने के लिये कहा गया। श्री मिश्रा ने ग्राम में अधिक से अधिक लोग साक्षर हो एवं शासकीय योजनाओं का लाभ उठाए इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धौखेबाजी से बच सकें। श्री मिश्रा ने कहा कि उज्जवला योजना 2.0 के अंतर्गत गैस कनेक्शन का लाभ यहां की महिलाए अधिक से अधिक प्राप्त करें। यह गैस कनेक्शन पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में ग्रामीणों को विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध कराई गई। जैन द्वारा ग्रामीणों से रूबरू चर्चा करते हुए बताया कि ग्राम में नाली निर्माण के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध है। गांव में स्वच्छता के लिए इस राशि का आप तत्काल उपयोग करें। इसी तरह मनरेगा योजना के अंतर्गत स्कूलों में बच्चों को डाइनिंग टेबल पर खाना खाए इसकी व्यवस्था की जा रही है। इस पर तत्काल कार्यवाही करें। प्रधानमंत्री आवास योजना में यदि आपकों प्रथम किश्त प्राप्त हो गई है तो तत्काल उसका उपयोग कर आगामी किश्त के लिये उसका उपयोग करें। इसके अतिरिक्त स्कूलों में बाउण्ड्रीवाल की राशि प्रदान की जा रही है उसका उपयोग करें।

कृषि विभाग के उप संचालक नगीन रावत द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से ग्रामीणों को अवगत कराया। इसी तरह उद्यान विभाग, पशुचिकित्सा विभाग, मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, सिचाई विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जन जाति कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, राजस्व विभाग, वन विभाग द्वारा अपने विभाग की योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत करवाया।

कलेक्टर मिश्रा ने यहां के ग्राम पंचायत सचिव को इस ग्राम की जानकारी के संबंध में तलब किया किन्तु ग्राम पंचायत सचिव यहां से गायब हो चुके थे। कलेक्टर महोदय द्वारा गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की एवं दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, तहसीलदार वर्मा, बीएमओ डॉ. एमएल चौपडा, उप वन मण्डलाधिकारी प्रदीप कछावा, एलडीएम राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर, कार्यपालन यंत्री पीएचई एनएस भिण्डे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभाग प्रशांत आर्या, मु.का.अ. जनपद पंचायत पेटलावद एनएस चौहान, अधीक्षण यंत्री मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल प्रेमसिंह चौहान, जिला आयुष अधिकारी प्रमिला चौहान, साक्षरता मिशन से अन्नू भाबर एवं कुसूम भुरिया, बीईओ पेटलावद ग्राम पंचायत बेकल्दा के सरपंच एवं बडी संख्या में जिला अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

## पत्नी आयशा मुखर्जी ने शिखर धवन से लिया तलाक

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया के बल्लेबाज शिखर धवन और उनकी पत्नी आयशा मुखर्जी के बीच तलाक होने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हालांकि आधिकारिक रूप से अभी इस मामले में शिखर की तरफसे कोई बयान सामने नहीं आया है। दोनों ने साल 2012 में शादी की थी। आयशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लंबा पोस्ट लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा, 'एक बार तलाक हो चुका है। लग रहा था कि दूसरी बार बहुत कुछ दांव पर लगा था। बहुत कुछ साबित करना था। इसलिए, जब मेरी दूसरी शादी टूटी तो यह काफी डरावना था। मैंने सोचा था कि तलाक गंदा शब्द है फिर भी मेरा दो बार तलाक हो गया। जब पहली बार मेरा तलाक हुआ, तब मैं बहुत डरी हुई थी। मुझे लगा जैसे नाकाम हो गई हूं।

आयशा ने आगे लिखा, 'मुझे लगा जैसे मैंने सबको नीचा दिखाया है और स्वार्थी जैसा भी लगा। मुझे लगा कि मैं अपने माता-पिता को निराश कर रही हूं, अपने बच्चों को नीचा दिखा रही हूं और कुछ हद तक मुझे लगा कि मैंने ईश्वर को भी अपमानित किया। तलाक काफी गंदा शब्द था।' इससे पहले दोनों के रिश्ते में तनातनी की खबरें आई थीं। दोनों ने एकदूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। इतना ही नहीं, आयशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शिखर की तस्वीरों को भी हटा दिया था। वहीं धवन के अकाउंट पर आयशा की तस्वीरें थीं

## अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर अ से अक्षर अभियान के अंतर्गत कलेक्टर ने क्लास ली

**माही की गूंज,झाबुआ।**

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा आज ग्राम खोरिया के स्कूल में साक्षरता कोना जो अ से अक्षर अभियान के अंतर्गत लिया गया है। यहां पर कलेक्टर के द्वारा अ-साक्षर ग्रामीणों को पढ़ाया एवं उन्हें अक्षर ज्ञान के महत्व को बताया। कलेक्टर श्री मिश्रा के द्वारा जो यहां शिक्षा लेने के लिये आए थे उन्हे लगभग आधा घंटा तक पढ़ाया एवं पढ़ाई के संबंध में रूबरू चर्चा भी की। जिले में अ से अक्षर अभियान का शुभारम्भ 15 अगस्त से किया गया था। जिसमें पेटलावद के 50 ग्राम एवं थांदला के 50 ग्राम लिए गये थे। जिसमें शासकीय शिक्षकों के अतिरिक्त एनजीओ द्वारा भी यहां के लोगों को साक्षर बनाने का संकल्प दिलवाया। आज साक्षरता का कोना ग्राम खोरिया में ग्रामीणों को साक्षरता की शपथ दिलवाई गई। साक्षरता की क्लास जिला साक्षरता समिति से श्रीमती अन्नू भाबर द्वारा ग्रामीणों को शिक्षा का महत्व बताया गया।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री शिशिर गेमावत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ओमप्रकाश बनाडे, श्री ज्ञानेश्वर ओझा, बीईओ पेटलावद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## ग्रामीणों ने वन अधिकार-पत्र प्रदाय किए जाने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

### 100 से अधिक ग्रामीण पिकअप एवं तूफान से पहुंचे कलेक्टोरेट, हाईकोर्ट के डिसीजन तक जमीन से बेदखल नहीं करने की मांग

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जिले के ग्राम फूलमाल (उदयमाल) के करीब 100 से अधिक ग्रामीणों ने मंगलवार दोपहर अपने गांव से दो पिकअप वाहन एवं एक तूफान जीप से कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम झाबुआ लक्ष्मीनारायण गर्ग को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि ग्राम में वन अधिकार अधिनियम के तहत सभी ने दावा आवेदन प्रस्तुत कर रखा है। सभी पात्र हितग्राही होकर वर्तमान में उन्हें वन अधिकर से बेदखल करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रखी है, जब तक उन्हें उनकी जमीन से जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा बेदखल नहीं करने की मांग की गई।

करीब 100 ग्रामीणों के हस्ताक्षयुक्त दिए इस ज्ञापन में अवगत करवाया कि ग्राम फूलमाल उदयमाल चौराहे के 55 परिवार विगत 25 से अधिक वर्षों से उक्त भूमि पर निवासरत होकर अपनी आजीविका चला रहे है और यह भूमि वन विभाग की होकर वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत सभी हितग्राही पात्रता रखते है। जिनके समस्त दस्तावेज भी उनके पास मौजूद है। जिसका निराकरण प्रकरण फिलहाल लंबित है।

### हाईकोर्ट में चल रहा प्रकरण, जिला प्रशासन ना करे बेदखल

उक्त सभी ग्रामीणों को जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा अपनी जमीन से बेदखली के खिलाफ हाईकोर्ट इंदौर में जनहित याचिका दायर कर रखी है। ज्ञापन में मांग की गई कि हाईकोर्ट में प्रकरण की सुनवाई तक पात्र वन अधिकार के दावदारों को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाए। उक्त ज्ञापन की प्रतिलिति सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, वन मंडलाधिकारी, वन विभाग झाबुआ, अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति आयोग मप्र, प्रमुख सचिव आदिवासी विकास विभाग एवं मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली को भी प्रेषित की गई है। इस मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन एसडीएम झाबुआ गर्ग की ओर से समस्त ग्रामीणजनों को दिया गया।

# थाली और घटनांद के साथ मनाया भगवान श्री महावीर स्वामीजी का जन्म कल्याण वाचन दिवस

## महावीर स्वामीजी की सुंदर अंगरचना कर महाआरती की गई, केसरिया छापे लगाए गए, पंजेरी और लड्डूओं का प्रसाद वितरित किया

**माही की गूंज, झाबुआ।**

स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जिनालय में आचार्य श्री ऋषभचन्द्र सूरीष्वरजी मसा के सुशिष्य मुनिराज श्री रजतचन्द्र विजयजी मसा एवं जीतचंद्र विजयजी मसा की पावन निश्रा मे कल्पसूत्र का वांचन सोमवार से प्रारम्भ हुआ। मंगलवार को 5 वें दिन प्रभु श्री महावीर स्वामीजी के जन्म कल्याणक वांचन एवं प्रभुजी का पालना झूलाने का महोत्सव मनाया गया।

इसके पूर्व मंगलवार सुबह से ही जिनालय में प्रभु पूजा के लिए भक्तों का आना-जाना सतत चलता रहा। प्रभु महावीर की विशेष अंग रचना की गई। दोपहर में महोत्सव में 14 स्वप्नों का प्रतीकात्मक रुप मे चढ़ावा बोला गया और पालनाजी को झूलाने का भी चढ़ावा बोला गया। इसके बाद मुनिराज श्री रजतचन्द्र विजयजी ने महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए कल्पसूत्र का वांचन करते हुए कहा कि वेसे तो कल्पसूत्र मे 24 तीर्थंकरो का जीवन-चारित्र उत्तम ढ़ंग से वर्णित है, चूँकि वर्तमान मे जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर प्रभु महावीर का शासन चल रहो है, इसलिये प्रभु महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक धूम धाम से मनाया जाता है। आपने कहा कि 14 स्वप्न तीर्थंकर प्रभु महावीर स्वामीजी की माता त्रिशलाजी ने उनके गर्भ मे आने पर देखे और देखने के बाद राजा सिधार्थ को सुनाए। गज, वृषभ, सिंह, लक्ष्मीदेवी, फूलों की माला, चन्द्रमा, सूर्य ध्वजा, कलश, पदम सरोवर, खीर समुद्र, देव विमान, रत्न, अग्नि की शिखा आदि 14 स्वप्न देखे थे।

### महावीर स्वामीजी के जयकारे लगाए गए

मुनिराज ने आगे कहा कि ये 14 स्वप्न हमारे जीवन के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करते है। इसके बाद जैसे ही प्रभु महावीरजी के जन्म की घोषणा वांचन मुनिश्री ने प्रारंभ किया, तो उपस्थित श्रद्धालुओं में हर्ष छा गया। अक्षत से स्वागत करते हुए थाली और घंटनाद किया गया। जिसके बाद ''जय जय महावीर और जियो और जीने दो'' की उद्घोषणा करते हुए एक-दूसरे का अभिवादन और श्रीफल वधार कर एक दूसरे को बधाई दी तथा केसरिया छापे लगाए गए।

### महावीर स्वामीजी की महाआरती की गई

लाभार्थी परिवार ने प्रभुजी का पालना झुलाया। इसके बाद लाभार्थियों द्वारा इन स्वप्नोंजी को लेकर जिनालय मे तीन प्रदक्षिणा दी गई। प्रभुजी की महाआरती उतारी गई। संध्या को श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन परमार्थिक ट्रस्ट द्वारा स्वधर्मीवात्सल का आयोजन किया गया। वहीं श्यामूबेन रतनलाल रुनवाल परिवार की ओर पंजेरी एवं मीनाबेन सुनील शाह अहमदाबाद वालों की ओर से लड्डू की प्रभावना सभी को दी गई।

### विभिन्न तपस्याएं जारी

चातुर्मास समिति ने बताया की तपस्या के क्रम मे 35 से ज्यादा श्रावकों श्राविकाओ द्वारा अट्ठाई तपस्या, 9-11 उपवास, 16 उपवास, 31 उपवास की तपस्या चल रही है। आगामी आयोजन में नवपद ओलीजी एवं वर्धमान तप ओलीजी का पाया भरने का आयोजन भी किया जाएगा। उनके विविध लाभार्थी के नाम की उद्घोषणा हुई। कार्यक्रम का संचालन सुश्रावक संजय मेहता ने किया।

महावीर जन्म कल्याण वाचन दिवस पर मुनिराजद्वय के सानिध्य में शामैया निकाला गया। बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित हुए।

बावन जिनालय स्थित पोषध शाला भवन में जन्म कल्याण वाचन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों की उपस्थिति रहीं।

# ग्राम पंचायत ने अतिक्रमण हटाकर खुद ही ने किया पक्का अतिक्रमण

## व्यापारी पहुंचे एसडीएम के पास, पंचायत ने रातों-रात बनवा दिया होज

**माही की गूंज, बामनिया।**

ग्राम पंचायत बामनिया इन दिनों मुख्य मार्ग पर रोज ठेला गाड़ी लगाकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारो को हटाकर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के प्रयास में लगी है। लेकिन इस व्यवस्था सुधार अभियान में ग्राम पंचायत अपनी शिकायतो को दबाने का और शिकायतकार्ताओ को दबाने के काम को भी अंजाम दे रही है। इतना ही नही ग्राम पंचायत अपना इतना आपा खो चुकी है, जिस स्थान पर शिकायतकार्ता के पिता की दुकान थी वहां से ठेलागाड़ी हटाकर ग्राम पंचायत ने रातों-रात पक्का निर्माण कर होज बना दिया। जिससे अब मुख्य मार्ग और नगर प्रिंस प्रशांत मार्ग पर से निकलने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

### सब्जी मार्केट के साथ अन्य दुकानदारो को भी किया शिफ्ट

ग्राम का प्रिंस प्रशांत मार्ग जहा मुख्य चौराहे से लगी दुकानें आगे बढ़ती जाती है और सब्जी सहित कपड़े, मांसाहारी आदि की दुकानें वर्षों से लग रही है। मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति के कारण चौराहे पर लगने वाली दुकानो को हटाना था, लेकिन उन दुकानो के साथ प्रिंस प्रशान्त मार्ग पर लगने वाली दूसरी दुकानो को भी हटाकर पशु चिकित्सालय परिसर में भेज दिया। जिससे परेशान कपड़ा, मनिहारी सहित अन्य सब्जी और फरूट विक्रेताओं ने सोमवार को एसडीएम शिशिर गेमावत को उनकी दुकानें पुराने स्थान पर लगवाने की मांग की।

शिकायतकर्ता रमेश बसोड़ ने बताया कि, प्रिंस प्रशांत मार्ग रिहायसी इलाका होने से किसी प्रकार का यातायात बाधित नही हो रहा था, फिर भी ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायतो पर बदले की कार्रवाई कर जबरन दुकानदारो को परेशान किया जा रहा है। नए स्थान पर व्यापार नही चलने के कारण परिवार चलाने का संकट खड़ा होगा।

### दिन में दिया आवेंदन, रात में पंचायत ने करवा दिया निर्माण

सोमवार के दिन एसडीएम को आवेंदन देने की जानकारी मिलने के बाद ग्राम पंचायत ने रात में मुख्य चौराहे पर बने मार्केट के पास एक होज बनाकर खुद का पक्का अतिक्रमण पंचायत ने ही कर लिया। पंचायत ने निर्माण क्यो किया? वो खुद भी बता नही पाई और सभी अतिक्रमण के स्थान को छोड़कर एक मात्र शिकायतकर्ता के परिवार को निशाना बनाने पर ग्राम पंचायत सरपंच पर भी सवाल खड़े हो रहे है। यदि ग्राम पंचायत अतिक्रमण हटाए गए सभी स्थानों की सुरक्षा करने को तैयार है, तो मुख्य चोराहे पर निर्माण कर खुद अतिक्रमण करने का क्या औचित्य है। कही न कही पूरा मामला बदले और शिकायतकर्ता को दबाने के लिए अंजाम दिया गया है।

नमो-नमो मोर्चा के जिलाध्यक्ष सचिन बसोड़ का कहना है कि, मेरे द्वारा ग्राम पंचायत में किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायत की गई है जिसको वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। लेकिन मेरे द्वारा शिकायत वापस नही लेने पर ग्राम पंचायत द्वारा बदले की भावना से मेरे पिता की दुकान हटवाकर वहाँ निर्माण कर दिया गया।

### हाट बाजार को लेकर असमंजस बरकरार

ग्राम में वर्षो से प्रिंस प्रशान्त मार्ग पर बाजार लगता आ रहा है। लेकिन पिछले शनिवार को ग्राम पंचायत ने बिना किसी योजना के हाट बाजार भी नए स्थान पर शिफ्ट कर दिया। जिससे कई व्यापारी जो वर्षो से बामनिया के हाट से जुड़े थे वो निराश वापास लौट गए। जिन्होंने दुकान लगाई उनका कहना है, नए स्थान पर ही दुकानें लगी तो वो बामनिया हाट बन्द करके अन्य स्थान पर जाना शुरू कर देंगे। अब दो दिन बाद लगने वाले शनिवार के हाट बाजार को लेकर स्थानीय और बाहरी दुकानदारो में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वही ग्राम पंचायत भी अब तक अपना रुख साफनही कर रही है।

## मौके पर पाई जाने वाली कमियों को आखिर क्यों नहीं किया उजागर

## जांच के नाम पर कलेक्टर को गुमराह करता स्थानीय प्रशासन

**माही की गूंज, बामनिया।**

ग्राम पंचायत बामनिया भ्रष्टाचार के नए-नए आयाम गढ़ने पर आमादा है। कुछ ही समय मे ग्राम पंचायतों के चुनाव होने है और इसी को देखते हुए वर्तमान परिषद और ग्राम पंचायत सरपंच मोटा माल कमाने के उद्देश्य से एक के बाद एक घटिया निर्माण कार्य को अंजाम देने से नही चूक रहे है। एक माह बीत जाने के बाद भी दो वर्ष पूर्व फूटे तालाब की जांच का प्रतिवेदन जांच दल नही दे पाया और अब तक अधिनस्त कर्मचारी की और से रिकॉर्ड पेश नही किए जाने के बहाने बनाए जा रहे है। ऐसे ही सोसायटी परिसर में बने सीमेंट कांक्रीट के ओटले का घटिया निर्माण बिना सरिया बिछाए, रेत के स्थान पर चुरी से किया गया। जिसका मय प्रमाण समाचार प्रकाशित किया गया, लेकिन अब तक कोई जांच नही की गई। सोसाइटी के पास ही स्थिति मिडिल स्कूल की बाउंड्री वाल में भारी भ्रष्टाचार कर घटिया निर्माण किया गया, जिसकी शिकायत नमो-नमो मोर्चा द्वारा कलेक्टर को लिखित में की गई। जिसकी जांच के लिए आए दल ने एक बार फिर मौके पर जांच के लिए उपस्थित होने का पंचनामा बनाकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है।

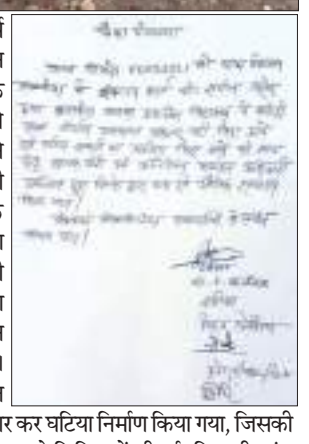

### कलेक्टर गुमराह करने से नही चूक रहे स्थानीय अधिकारी

जिले का राजा भले ही कितना अच्छा हो लेकिन उसके अधीन कार्य करने वाले कर्मचारी इतने लापरवाह और भ्रस्ट हो गए है कि अपने अधिकारी के निर्देश पर की जाने वाली जांच के नाम पर खाना पूर्ति कर मामले को दबाकर खुद की जेब गर्म कर निकल जाते है। शिकायत के बाद यहां भी जांच दल आया तो सही मौके पर बाउंड्री वाल के सरिए, मटेरियल, बीम निर्माण और नीव भरने में भारी अनियमित्ता पाई गई। लेकिन मौके पर तैयार पंचनामे में निर्माण को लेकर कोई उल्लेख नही किया गया।

शिकायतकर्ता का कहना है कि, जांच दल के समक्ष शिक्षक सरपंच पति उपस्थित रहा और पंचमाने पर फर्जी हस्ताक्षर भी किए। पंचनामे के बाद जांच दल ने क्या लिख कर दिया इसकी कोई जानकारी नही दी गई।

## रामदेव की पूजा अर्चना कर मनाई भादवा बिज

**माही की गूंज, झकनावदा।**

ग्राम के समीपस्थ गुरियाघाटी पर बाबा रामदेव जी की भादवा बीज पर पूजा अर्चना एवं महा प्रसादी कर मनाया गया, जिसमें ग्राम के युवा वर्ग ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रामदेव जी मंदिर पर कोरोना गाईडलाइन के पालन के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम के सीरवी समाज के द्वारा आई माता के प्राकट्य उत्सव पर ग्राम में आई माताजी मंदिर पर पूजा अर्चन कर व निशान चढ़ाकर माता जी की आराधना बड़ी धूमधाम से मनाई गई।

## 60 लोगों का जत्था कल पंहुचेगा गुजरात के अंबाजी धाम

**माही की गूंज, काकनवानी।**

विगत 9 वर्षों से जय अंबे पदयात्रा ग्रुप, काकनवानी से अंबाजी गुजरात के लिए 60 लोगों का जत्था भादवा महीने में दर्शन के लिए प्रस्थान करता है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जय अंबे पदयात्रा ग्रुप के साथ काकनवानी का भ्रमण कर 31 अगस्त को काकनवानी से पदयात्रा रवाना होकर 10 सितंबर को गुजरात अंबाजी के दर्शन को पहुंचेगी।

मेवाड़ा कलाल समाज के झाबुआ-अलीराजपुर-रतलाम जिलाध्यक्ष, शिव मंदिर काकनवानी अध्यक्ष, जय अंबे पदयात्रा ग्रुप के अध्यक्ष डाडमचंद लोदावरा के सानिध्य में 3 माह पहले से ही पदयात्रा की रूपरेखा बना ली गई थी। उक्त पदयात्रा का उद्देश्य, जनचेतना एवं धर्म के प्रति के प्रति आस्था बनी रहे है।

माता जी के रथ के साथ में सभी भक्तगण 'जय अंबे', 'जय श्री राम' के नारों के साथ जहां-जहां से गुजरते हैं, सभी लोगों उनका 'जय अंबे' से अभिवादन करते हैं। उक्त 310 किलोमीटर की पदयात्रा में रथ पर सवार मां अंबे के दर्शन लाखों भक्त करते हैं।

पदयात्रा के उपाध्यक्ष नरेश पंचाल, राजेश डामोर, कोषाध्यक्ष प्रवीण सोनी, सेवक कान्हा वर्मा, सचिव अल्केश पंचाल, सह सचिव नरेश पंचाल, सदस्य बंटी प्रजापत, संजय बैरागी, ललित भानपुरा आदि ने उक्त पदयात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया है।

यात्रा के दौरान चाय-नास्ता, भोजन एवं सोने की व्यवस्था समिति द्वारा की जाती है। सारी व्यवस्थाओं के लिए चार वाहन पदयात्रियों के साथ में ही चलते हैं।

## शासकीय महाविद्यालय में भोज के अन्तर्गत 12 विषयों की मिली स्वीकृति

**माही की गूंज, थांदला।** विगत दो वर्षों से शासकीय महाविद्यालय थांदला में भोज वि.वि. से केवल बी.ए. पाठ्यक्रम का संचालन हो रहा था। सत्र 2021-22 से भोज वि.वि. ने बी.कॉम., बी.एस.सी, एम.ए. अर्थशास्त्र, एम.ए. समाज शास्त्र, एम. कॉम, (वित्तीय प्रबंधन), एम. एस. डब्ल्यू, बी.बी.ए., एम. बी.ए., एम.बी.ए.एम.एम., डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन बिजनेस एडमिनिटेऊशन एवं सर्टिफिक्रेट इन रूरल डेवलवमेंट पाठ्यक्रमों को संचालित करने की स्वीकृति दी है। जिन परीक्षार्थियों को यदि उपरोक्त पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेना हो तो वे एम.पी. ऑन लाईन के माध्यम से अपना आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ अर्हतादायक परीक्षा की अंकसूची तथा अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों को संलग्न करना होगा। आवेदन की कुल चार प्रतियॉ तैयार करनी होगी उसमें से तीन प्रतियां महाविद्यालय में जमा करना होगी एवं एक प्रति विद्यार्थी स्वयं अपने पास रखें। चारों प्रतियों में विद्यार्थी को अपना पासपोर्ट साईज फोटू चस्पा करना होगा।

## गौशाला संरक्षण के लिए जिला स्तरीय बैठक आयोजित

**माही की गूंज, झाबुआ।** कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में गौशाला संरक्षण एवं संवर्धन के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले में चल रही गौशालाओं की विस्तृत समीक्षा की गई एवं गौशालाओं को प्रतिमाह जो राशि दी जाती है। उसका विवरण प्रस्तुत किया गया। पशुओं के उपचार, उन्नत पशु प्रजनन में किए गए कार्य एवं बाहर से आए पशु मालिकों के अस्पताल में ठहरने की व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि पशुचिकित्सा विभाग द्वारा 130 पंचायतों में पशु उपचार शिविर आयोजित किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में वनमण्डलाधिकारी वन मण्डल एमएल हरित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंदसिंह वास्कले, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. विल्सन डावर, एसडीओ लोक निर्माण विभाग डीके शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## नवागत एसपी श्री सिंह ने पत्रकारों के साथ ली बैठक

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

नवागत पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम पर पत्रकारों के साथ चर्चा की। परिचय पचात् चर्चा में उन्होंने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए कहा, जिले में कानून व्यवस्था को कायम रखने के साथ-साथ समाज के अंतिम पक्ति के व्यक्ति तक पुलिस की सहायता सहज और पारदर्शी तरीके से पहुंचे, इसी उद्देश्य के साथ जिले में कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया, सोशल पुलिसींग को विशेष महत्व देकर आम जनता के बीच पुलिस और कानून व्यवस्था के प्रति भरोसा कायम रखने का कार्य किया जाएगा। जिले में कानून व्यवस्था सुनिचित रहे यह उनकी प्रमुखता रहेगी। वाहन चोरी एवं चोरी के वाहनों के खरीदारों पर कडी कार्रवाई सुनिचित होगी। असामाजिक तत्वों, बाजार में तेज गति से वाहनों को दौडाने वालों पर सख्ती की जाएगी। महिला, एसटीएसी अपराधों में प्राथमिकता से जांच एवं उक्त प्रकार के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे। यातायात व्यवस्था सुचारू और व्यवस्थित हो इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, लोकतंत्र में मीडिया का विशेष महत्व है। संवाद के माध्यम से जिले में बेहतर सोशल पुलिसींग और कानून व्यवस्था के विषयों पर मीडिया से संवाद बगैर किसी अवरोध के निरंतर जारी रहेगा। जिले में महिला अपराधों पर अंकुश रहे इसके लिए पुलिस सख्ती से कार्य करेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री बिट्टू सहगल एवं प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारगण उपस्थित थे।

## श्री आई माता के प्राकट्य उत्सव पर निकली शोभायात्रा

**माही की गूंज, झकनावदा।** ग्राम के क्षत्रिय सीरवी समाज की कुलदेवी श्री आई माता के 607 वे प्राकट्य उत्सव (जन्मोत्सव) पर ग्राम के समाजजनों, महिलाओं बच्चों सहित अधिक संख्या में आकर बढ़-चढ़कर यात्रा में हिस्सा लिया। जगह-जगह आई माता के शोभा यात्रा का फूलों से स्वागत किया गया व माता जी की पूजा अर्चना की गई।

## क्या एसपी साहब ज्ञापन मिलने के बाद अवैध कारोबारियों के विरूद्ध कार्रवाई करेंगे... ?

**माही की गूंज, पारा।**

पारा क्षेत्र के आस-पास अपराधिक घटना एवं अवैध धंधे के सम्बन्ध में हिन्दुं जनजाति संगठन ने एसपी. के नाम पारा चौकी प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। शराब के अवैध कारोबार, सट्टा, के साथ गायो का अवैध परिवहन आदि काले धंधों पर प्रतिबंध लगाया जाए के सम्बध मे अवैध कारोबार पर रोक लगाने के साथ क्षेत्र मे होने वाले अपराधो मे कमी आएगी के उद्देश्य के साथ जनहित मे अपनी सकियता निभा कर ज्ञापन दिया पुलिस प्रशासन अब भी माफिआओ व अवैध कारोबारीयो पर किस प्रकार कि कार्रवाई करती है यह आगे भी देखने का विषय रहेगा। माही की गुंज ने भी क्षेत्र मे हो रहे अवैध धंधो का खुलासा किया था लेकिन प्रशासन व राजनेतिक प्रभाव व साठ-गाठ के चलते क्षेत्र शराब माफिआओं व सट्टे कारोबारियो का गढ़ बन गया है।

संगठन ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि, पारा क्षेत्र के आस-पास के गावों में अवैध रूप से विदेशी-देशी शराब का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, जिससे आदिवासियों की आर्थिक स्थिति कमजोर ही रही हैं तथा अपराध जैसी घटनाएं लगातार बड रही । शराब के ठेको से अवैध रूप से ग्रामीण क्षेत्र की दुकानों पर वाहनों द्वारा अवैध शराब सप्लाई की जाती है । तत्काल बंद करवाया जाए। सट्टा कारोबार भी अच्छा खासा फलफूल रहा। संगठन ने जानकारी में बताया कि स्थानीय शा. उचित मूल्य की दुकान के पास मोबाइल फोन पर सट्टा बाजार खुले आम चल रहा जो बंद करवाया जाए। तथा गायो का अवैध परिवहन पारा- राजगढ़ मार्ग पर पिछले कई वर्षो से अवैध रूप से गायो का परिवहन रात के समय में होता आ रहा है। यह कोई नई बात नहीं कई मर्तबा संगठनों व गाव के लोगो ने धर पकड़ कर पुलिस के हवाले किया, परन्तु पुलिस ने कभी भी धरपकड़ कर अपना कर्तव्य नहीं निभाया। जब की नियम के विरुद्ध वाहनों मे गायों को भर कर गौ वध के लिए ले जाया जाता है। इसके अलावा पारा-राजगढ़ मार्ग के बीच ग्राम बावड़ी में लगे कैमरे व अन्य स्थानों पर लगे कैमरे चालू करवाएं जाए की मांग की।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन मंत्री कमलेश मावी, प्रदेश मीडिया प्रभारी विजय मेडा, नगर अध्यक्ष भारत डोड़वा, कमलेश मुजाल्दा, जिला उपाध्यक्ष , भारत मेडा, जिला कोषाध्यक्ष सुनील निनामा, ब्लाक महामंत्री दिनेश गामड़, जिला महामंत्री संजय मेडा, ब्लाक मंत्री अलकेश मेडा, राजु चौहान, हरीश पाल, दल्लू बरिया, आदि लोग उपस्थित थे।

## लगातार होती चोरी की घटनाओं से ग्रामीण दहशत में, चोरों के आगे बेबस दिख रही पुलिस

**माही की गूंज, पारा।**

ग्राम में मंगलवार रात के दरमियान अज्ञात बदमाशों ने एक बार फिर एक कांपलेक्स में पांच दुकानों के ताले तोड़े और हजारों के माल पर हाथ साफकर दिया। बस स्टैंड के नीचे शंकर मंदिर प्रांगण में ठाकुर कंपलेक्स में आशीर्वाद मेडिकल स्टोर के मालिक डॉ. अमृत धाधिल के यहां शटर के ताले तोड़कर बदमाश अंदर घुसे, गले का लॉक तोड़कर अंदर रखी नगदी करीब 10 हजार रुपए व दुकान में पड़ा लैपटॉप कीमत 32 हजार रुपए की चोरी की घटना को बदमाशों ने अंजाम दिया।

समीप में इंडियन ऑटो गैरेज सरपुभाई की दुकान के ताले तोड़ बदमाश दुकान के अंदर गए तो सही लेकिन चोरी करने में नाकाम रहे। इसके बाद पास ही अप्पू ऑटो गैरेज के ताले तोड़े, टैटू की किराना दुकान में करीब 2 हजार रुपए के सामान पर बदमाशों ने हाथ साफ किया। वही समीप ही प्रकाश बिल्डिंग वाले के यहां ताले तोड़े लेकिन सामान कुछ भी नहीं ले जा पाए।

घटना की जानकारी सभी दुकानदारों को तब लगी जब उन्होंने बुधवार सुबह अपनी-अपनी दुकानें खोली। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर घटना की जांच शुरू कर दी।

बता दें कि, पूर्व में भी इसी ठाकुर कंपलेक्स नानू भाई टायर वाले के यहां दो बार चोरी की घटना हो चुकी है। जिसमें अज्ञात बदमाश लाखों के टायर चोरी कर चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। जिसका पता अभी तक पुलिस नहीं लगा पाई है।

## संपादकीय

# शीघ्र समाधान जरूरी: फिर बातचीत के लिए बैठें सरकार- किसान

केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले नौ माह से आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने अब 27 सितंबर को 'भारत बंद' का ऐलान किया है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में महापंचायत में यह भी फैसला लिया गया कि, अब देशभर में धरने-प्रदर्शनों का दौर शुरू किया जाएगा। आंदोलनरत किसानों ने अपने मंच पर बेशक किसी भी राजनीतिक दल के नेता को स्थान नहीं दिया, लेकिन इस आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस, सपा, बसपा और रालोद सहित तमाम विपक्षी पार्टियां खुलकर सामने आई हैं। किसान नेताओं ने जहां आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिलने का दावा किया है, वहीं सत्ताधारी दल ने इसे सियासी जमावड़ा बताते हुए कहा है कि, आंदोलनकारी किसान नहीं, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता हैं। हालांकि भाजपा सांसद वरुण गांधी ने आंदोलनरत किसानों को 'अपना ही भाई-बंधु' बताते हुए एक ट्वीट के जरिए सरकार से अपील की है कि दोबारा बातचीत शुरू की जानी चाहिए ताकि सर्वमान्य हल तक पहुंचा जा सके। असल में तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले नौ महीने से दिल्ली बॉर्डर पर किसान डेरा डाले हुए हैं। किसान उन कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जिनसे उन्हें डर है कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था को खत्म कर देंगे तथा उन्हें बड़े कारोबारी समूहों की दया पर छोड़ देंगे। सरकार इन कानूनों को प्रमुख कृषि सुधार और किसानों के हित में बता रही है।

इन तीन कृषि कानूनों में पहला है, 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण)।' इसके तहत सरकार का कहना है कि, वह उपज बेचने के विकल्पों को बढ़ाना चाहती है। किसान इस कानून के जरिए मंडियों के बाहर भी अपनी उपज उचित दामों पर बेच पाएंगे। कानून के विरोध में कहा जा रहा है कि, बड़े कॉरपोरेट खरीदारों को खुली छूट दी गई है। यही छूट मंडियों की प्रासंगिकता को समाप्त कर देगी।

दूसरा कानून है, 'कृषि (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक।' इसको लेकर सरकार का दावा है कि, वह किसानों और निजी कंपनियों के बीच समझौता खेती यानी 'कान्ट्रेक्ट फार्मिंग' का रास्ता खोल रही है। आंदोलन के पक्ष में बात करने वालों का दावा है कि, इससे तो किसान अपनी ही जमीन पर मजदूर बनकर रह जाएगा।

तीसरा कानून है, 'आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक।' इसके तहत कृषि उपज जुटाने की सीमा नहीं रहेगी। सरकार का कहना है कि, किसानों को 'ऑन द स्पॉट' सारी राशि मिल जाएगी और उपज भी बिक जाएगी। इसके विरोध में तर्क दिया जा रहा है कि, इससे जमाखोरी और कालाबाजारी बढ़ेगी।

इन कानूनों के विरोध के अलावा किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जारी रखे जाने की कानूनी गारंटी भी चाहते हैं। हालांकि सरकार लिखित गारंटी देने के पक्ष में है। नए कृषि कानूनों को लेकर सरकार और किसान संगठनों के बीच 10 दौर से अधिक की बातचीत हो चुकी है, लेकिन गतिरोध खत्म नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी किसान संगठनों से कहा है कि, वह कानूनों में संशोधन के साथ ही अन्य मुद्दों पर भी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन आंदोलनरत किसानों की पहली शर्त कृषि कानूनों की वापसी है। उनका कहना है कि, किसानों के अनेक मुद्दे हैं, सभी पर बातचीत होगी, लेकिन सबसे पहले सरकार तीन कानूनों को रद्द करे। दोनों ओर से जारी अड़ियल रुख के कारण पहले भी बातचीत बेनतीजा रही और स्थिति कमोबेश अभी भी वैसी ही है। दिल्ली की सीमाएं बंद हैं और कोरोना काल में अलग-अलग मौसम चक्र में किसान धरने पर बैठे हैं। इसका लंबा खिंचना दुखदाई है। इस वक्त बेहद जरूरी है कि, दोनों ओर से थोड़ा-थोड़ा लचीला रुख अपनाया जाए और बातचीत के जरिए समाधान ढूंढ़ने की ओर बढ़ा जाए।

# तालिबानियों और आतंकवादियों के बीच गैंगवार

सनत कुमार जैन, लेखक

पराजित अमेरिका ने अफगानिस्तान में एक बार फिर साबित कर दिया है कि, हथियारों और पैसों के बल पर कोई युद्ध नहीं जीता जा सकता है। हां ''फूट डालो और राज करो'' की नीति हमेशा सत्ता को बरकरार रखने में कारगर साबित होती है, जो जीत की ओर ले जाती है। अमेरिका 20 चर्षों तक अफगानिस्तान में 70 लाख डॉलर खर्च करने के बाद भी जिन तालिबानियों और आतंकवादियों को नियंत्रित नहीं कर पाया। अब वे ही तालिबानी और आतंकवादी सत्ता में काबिज होने के लिए कुत्ते-बिल्लियों की तरह लड़ने पर आमादा हैं। मुल्ला बरादर और हक्कानी समूह के आतंकवादी आपस में एक दूसरे को मार रहे हैं। अमेरिका ने जाते-जाते सारे गुटों को हथियारों एवं सत्ता की चाबी का लोभ दिखाकर एक दूसरे के खिलाफलड़ाकर अपने वर्चस्व को अभी भी बनाए रखा है।

पराजित अमेरिका के अफगानिस्तान से पलायन करने के बाद चीन, रूस, पाकिस्तान अफगानिस्तान की प्राकृतिक संपादा पर काबिज होने के लिए आतंकवादी संगठनों के खलीफाओं को आर्थिक एवं सैन्य मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं, जिसके कारण आतंकवादी संगठन कई गुटों में बंटकर सत्ता पर काबिज होने की लड़ाई लड़ रहे हैं। पाकिस्तान भी इस लूट और गेंगवार में शामिल हो गया है।

अमेरिका ने पिछले 20 वर्षों में जिस तरह से अमेरिका से आतंकवादियों में अलगाववाद की जो विष बेल बोई है। उससे अंग्रेजों की ''फूट डालो और राज करो'' की नीति, और 14 अगस्त 1947 का वह दिन याद आता है। जब अंग्रेज भारत और पाकिस्तान को हिंदू-मस्लिम और पूर्वी बंगाल-पश्चिमी बंगाल की सीमाओं का बंटवारा कर लड़वाकर भारत छोड़कर चले गए थे। हिंदू और मुस्लिम के बीच विभाजन कराया था। जिस तरह का खूनी रक्त-पात भारत और पाकिस्तान में हुआ था अब लगभग वही स्थिति अफगानिस्तान में देखने को मिल रही है। सत्ता में काबिज होने के लिए सभी आतंकवादी संगठन सत्ता में काबिज होने लड़ रहे हैं। लाखों अफगानिस्तानी अपने देश से निर्वासित होकर शरणार्थी के रूप में दूसरे देशों में शरण लेने को विवश हो रहे हैं। करोड़ों अफगानिस्तानी को लेकर नागरिक अपने जीवन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए विभिन्न मोर्चों पर लड़ने के लिए विवश हैं। अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं। अफगानिस्तान के संसाधनों पर बड़े-बड़े देश जिनमें अमेरिका, रूस, चीन इत्यादि तथा पड़ोसी देश पाकिस्तान की नज़र है। बिल गेट्स सहित दुनिया भर के उद्योगपति भी अफगानिस्तान की इस स्थिति का लाभ उठाकर वहां के संसाधनों को पाने के प्रयास में हैं, वहां लिथियम का बड़ा भंडार है। यही कारण है कि, अपने मंसूबे पूरे करने के लिए सभी अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए संकट का कारण बन रहे हैं। आतंकवादी संगठनों के हाथ में सत्ता सौंपने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के इस दौर में तलवार के बल पर सत्ता पर काबिज होने का जो उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबानी सत्ता के रूप में सामने आया है। वह सारी दुनिया के लिए खतरनाक स्थिति का संकेत कर रहा है। ऐसा लग रहा है, हम एक बार फिर सैकड़ों वर्ष पुराने बर्बर युग की ओर लौट रहे हैं, जहां आतंक के बल पर सत्ता पर काबिज होने का इतिहास भरा पड़ा है।

# इंटरनेट और टीवी का नशा

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

जो काम हमारे देश में नेताओं को करना चाहिए, उसका बीड़ा भारत के जैन समाज ने उठा लिया है। सूरत, अहमदाबाद और बेंगलुरु के कुछ जैन सज्जनों ने एक नया अभियान चलाया है। जिसके तहत वे लोगों से निवेदन कर रहे हैं कि, वे दिन में कम से कम 3 घंटे अपने इंटरनेट और मोबाइल फोन को बंद रखें, इसे वे ई-फास्टिंग कह रहे हैं। यों तो उपवास का महत्व सभी धर्मों और समाजों में है लेकिन जैन लोग जैसे कठोर उपवास रखते हैं, दुनिया में कोई समुदाय नहीं रखता। जैन-उपवास केवल शरीर के विकारों को ही नष्ट नहीं करते, वे मन और आत्मा का भी शुद्धिकरण करते हैं। जैन संगठनों ने यह जो ई-उपवास का अभियान चलाया है, यह करोड़ों लोगों के शरीर और चित्त को बड़ा विश्राम और शांति प्रदान करेगा। इस अभियान में शामिल लोगों से कहा गया है कि, ई-उपवास के हर एक घंटे के लिए एक रुपया दिया जाएगा, याने जो भी व्यक्ति एक घंटे तक ई-उपवास करेगा, उसके नाम से एक रुपए प्रति घंटे के हिसाब से वह संस्था दान कर देगी। क्या कमाल की योजना है...! आप सिर्फअपने इंटरनेट संयम की सूचना-भर दे दीजिए, वह राशि अपने आप दानखाते में चली जाएगी।

इस अभियान को शुरु हुए कुछ हफ्ते ही बीते हैं लेकिन हजारों की संख्या में लोग इससे जुड़ते चले जा रहे हैं। यह अभियान सबसे ज्यादा हमारे देश के नौजवानों के लिए लाभदायक है। हमारे बहुत-से नौजवानों को मैंने खुद देखा है कि, वे रोज़ाना कई घंटे अपने फोन या कंप्यूटर से चिपके रहते हैं। उन्हें इस बात की भी चिंता नहीं होती कि, वे कार चला रहे हैं और उनकी भयंकर टक्कर भी हो सकती है। वे मोबाइल फोन पर बात किए जाते हैं या फिल्में देखे चले जाते हैं। भोजन करते समय भी उनका फोन और इंटरनेट चलता रहता है। खाना चबाने की बजाए उसे वे निगलते रहते हैं। उन्हें यह पता ही नहीं चलता कि, उन्होंने क्या खाया और क्या नहीं...? और जो खाया, उसका स्वाद कैसा था...?

इसके अलावा इंटरनेट के निरंकुश दुरुपयोग पर सर्वोच्च न्यायालय काफी नाराज था। आपत्तिजनक कथनों और अश्लील चित्रों पर भी कोई नियंत्रण नहीं है। कमोबेश यही हाल हमारे टीवी चैनलों ने पैदा कर दिया है। हमारे नौजवान घर बैठे-बैठे या लेटे-लेटे टीवी देखते रहते हैं। वह शराबखोरी से भी बड़ा नशा बन गया है। इंटरनेट और टीवी के कारण लोगों का चलना-फिरना तो घट ही गया है, घर के लोगों से मिलना-जुलना भी कम हो गया है। इन साधनों ने आदमी का अकेलापन बढ़ा दिया है। उसकी सामाजिकता सीमित कर दी है। इसका अर्थ यह नहीं कि, इंटरनेट और टीवी मनुष्य के दुश्मन हैं। वास्तव में इन संचार-साधनों ने मानव-जाति को एक नए युग में प्रवेश करवा दिया है। उनकी उपयोगिता असीम है लेकिन इनका नशा शराबखोरी से भी ज्यादा हानिकारक है। जरुरी यह है कि, मनुष्य इनका मालिक बनकर इनका इस्तेमाल करे, न कि इनका गुलाम बन जाए।

# गालियों का दर्शन शास्त्र

आलोक पुराणिक

देशभक्ति की छौंक बघार से युक्त फिल्म बेलबाटम नहीं चली। उधर तरह-तरह की गालियों से सुसज्जित मिर्जापुर वेब सीरिज सुपरहिट रही। पब्लिक गालियां पसंद कर रही है और जो पब्लिक पसंद करे, वह मार्केट में आ जाता है। नागिनें डिमांड में क्यों हैं, क्योंकि पब्लिक पसंद कर रही है। मां की, बहन की, हर तरह की गालियों से सुसज्जित सीरियल धुआंधार चल रहे हैं। अब मुझे चिंता है कि, नई गालियों की तलाश शुरू होगी। प्रोड्यूसर कहेंगे, अब पंजाबी गालियों पर अलग से, हरियाणवी गालियों पर अलग से, भोजपुरी गालियों पर अलग से, ब्रज भाषा की गालियों पर अलग से बनना चाहिए। और नई गालियों की तलाश भी होती रहनी चाहिए, गालियां गढ़ी जानी चाहिए। पब्लिक गाली सुनने में इतनी रुचि क्यों दिखा रही है। आम आदमी का जीवन ही दरअसल गाली है। सुबह से शाम तक तरह-तरह की लाइनों में लगकर गालियां खाता है। इतनी गालियां खाता है कि, आदत में शुमार हो जाता है गाली खाना। माना कि आदतें बुरी होती हैं, पर बुरी आदत तो सिगरेट पीना भी है, लोग पीते हैं न। कुछ समय बाद इस तरह की वार्निंग आया करेगी, सीरियलों से पहले कि, सावधान...! गालियां आत्मसम्मान के लिए घातक हैं, न खाइए।

पब्लिक को आदत पड़ जाए तो फिर छुड़ाना मुश्किल हो जाता है। सरकार रोक लगा दे वेब सीरिजों पर कि गालियां न दी जाएंगी, तो पब्लिक फिर कोई और रास्ता निकाल लेगी। गाली सम्मेलन होंगे, दे गाली-दे गाली-दे गाली। बताया जाता है कि, अब देश के कई शहरों में होली के मौके पर ऐसे सम्मेलन होते हैं, जिनमें दे-दनादन गालियां दी जाती हैं। पर अब तो हर मौसम ही गाली का हो लिया है। मिर्जापुर सीरिज वन आई, फिर सीरिज टू आई। गालियां चल निकलीं, अखंड गाली सीरिज चल सकती है। पर मूल सवाल वही है कि, पब्लिक को गालियां सुनने में क्या मजा आता है।

एक बंदे ने बताया कि, बड़ी अपने टाइप की फील आती है। ये जो बात है न बहुत सभ्य-सभ्य टाइप, बहुत साफिसिटिकेटेड टाइप फर्जी ही है। असल बात तो गाली है। आईआईटी, आईआईएम से पढ़े-लिखे दोस्त भी बरसों बाद मिलते हैं तो गाली युक्त बातें करते हैं। पुलिस तो खैर बात की शुरुआत ही गाली से करती है। बल्कि एक पुलिस अफसर ने बताया कि, हम अगर बहुत सभ्यता से बात करें तो हमें फर्जी पुलिस माना जाता है और हमारी पिटाई तक हो जाती है। पुलिस वाला अगर गाली देता हुआ न दिखे और अमिताभ बच्चन अगर कुछ बेचते हुए न दिखें तो लोग इन्हें फर्जी मान सकते हैं। सो गालियां देनी पड़ती हैं, न चाहें तो भी गालियां देनी पड़ती हैं।

गालियों के मामले में बहुत संपन्न परंपरा है साहब। ब्रज इलाके में तो शादी में गालियां दी जाती हैं, गा-गाकर गालियां दी जाती हैं। गालियों का गायन होता है बाकायदा। आइए नई गालियों को सर्च करें, धंधे का सवाल है...!

# जन कल्याण की झलक हो चुनावी वायदों में

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

बीते समय में इंग्लैंड के चुनाव में वहां की लेबर पार्टी ने जनता को मुफ्त ब्राडबैंड, मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त कार पार्किंग जैसी सुविधाओं का प्रलोभन दिया था। हम भी क्यों पीछे रहते। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पूर्व छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए, तमिलनाडु में चुनाव पूर्व किचन ग्राइंडर और साइकिल वितरित करने का आश्वासन दिया गया, दिल्ली में एक सीमा के अंतर्गत मुफ्त बिजली और पानी दिया जा रहा है और केन्द्र सरकार द्वारा मुफ्त गैस सिलेंडर, एलईडी बल्ब और खाद्यान्न वितरित किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से इस प्रकार के सीधे वितरण से जन कल्याण हासिल होता है। जिस छात्र को लैपटॉप मिल जाता है, वह उससे अपने कौशल को सुधार सकता है और जीवन में आगे बढ़ सकता है।

एक कहावत है कि, ''किसी को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना ज्यादा उत्तम है।'' चूंकि मछली देने से एक बार मछली का भोजन करके वह आनन्दित हो सकता है, लेकिन यदि उसे मछली पकड़ना सिखा दिया जाए तो आजीवन अपने भोजन की व्यवस्था कर सकता है। इसलिए सरकार के लिए जरूरी है कि, वह अपने सीमित राजस्व का उस स्थान पर निवेश करे जहां की जनता का लम्बे समय तक और अधिकाधिक कल्याण हो सके। यहां एक विषय यह है कि, अक्सर इस प्रकार के मुफ्त वितरण के वायदे चुनाव पूर्व किए जाते हैं जैसा कि इंग्लैंड में लेबर पार्टी ने चुनाव पूर्व किया है। अपने देश में कांग्रेस ने 2009 में किसानों की ऋण माफी का वायदा किया और सत्ता हासिल की थी। तमिलनाडु में जैसा कि ऊपर बताया गया है कि, किचन ग्राइंडर आदि बांटने के आश्वासन चुनाव पूर्व दिए गए। इस प्रकार के वायदे किए जाने से सरकार के राजस्व का उपयोग पार्टी के हितों को साधने के लिए किया जाता है। जैसे यदि कांग्रेस सरकार ने 2009 में लोन माफी का वायदा किया अथवा वर्तमान में केन्द्र सरकार एलपीजी गैस के सिलेंडर बांट रही है तो इसका लाभ पार्टी विशेष को मिलता है, जबकि इन मुफ्त सुविधाओं को वितरित करने का भार सरकार के राजस्व पर पड़ता है।

उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में नोटिस जारी किया है कि, चुनाव पूर्व इस प्रकार के वायदों पर रोक क्यों न लगाई जाए...? सुप्रीम कोर्ट की यह सोच सही दिशा में है और केन्द्र सरकार को इस दिशा में स्वयं पहल करके इस प्रकार के चुनाव पूर्व वायदों को प्रतिबंधित करने का राष्ट्रव्यापी कानून बनाना चाहिए। चुनाव से आगे, सरकार द्वारा तीन प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। पहली सुविधा सार्वजनिक जो केवल सरकार द्वारा दी जा सकती है, दूसरी सुविधा उत्कृष्ट जो व्यक्तिगत है लेकिन उसका समाज पर प्रभाव पड़ता है, और तीसरा व्यक्तिगत जो कि व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ पहुंचाती है। सार्वजनिक सुविधाएं वे हैं जो सरकार ही उपलब्ध करा सकती है। जैसे रेलगाड़ी, गांव की सड़क अथवा कोविड से बचने के लिए क्या कदम उठए जाएं, इसकी जानकारी। ये सुविधा केवल सरकार ही दे सकती है। इसलिए सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी इस प्रकार की सार्वजनिक

सुविधाओं को उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। इससे आगे कुछ सुविधाएं व्यक्तिगत लेकिन 'उत्कृष्ट' कही जा सकती हैं। जैसे किसी व्यक्ति द्वारा मास्क पहनना मूलतः व्यक्तिगत सेवा है। वह बाजार से 10 रुपए का मास्क खरीद कर पहन सकता है। इसमें सरकार द्वारा वितरण करने की जरूरत नहीं है। लेकिन व्यक्ति के मास्क पहनने से दूसरों का संक्रमण से बचाव होता है। इसलिए सरकार मास्क बांटे और लोगों को उसे लगाने के लिए प्रेरित करे तो यह सुविधा व्यक्तिगत होने के बावजूद उत्कृष्ट कही जाती है, क्योंकि इससे दूसरे तमाम लोगों को लाभ होता है। इसकी तुलना में कुछ सुविधाएं मुख्यतः व्यक्तिगत कही जा सकती हैं। जैसे मुफ्त बिजली-पानी, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त साइकिल अथवा लैपटॉप। इस प्रकार की सेवाओं को वितरित करने से व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ होता है और पूरे समाज को इसका लाभ नहीं होता है, परन्तु सरकार का राजस्व खप जाता है।

अतः प्रश्न यह है कि, सरकार को अपने सीमित राजस्व को किन सुविधाओं में लगाना चाहिए...? सरकार को चाहिए कि, इन तीनों प्रकार की सुविधाओं का जनकल्याण की दृष्टि से आकलन कराए। गांव में सड़क बना दी जाए तो जनकल्याण पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए शहर जा सकते हैं और किसान अपनी सब्जी को शहर पहुंचा सकता है। जिस प्रकार कहा गया है कि, मछली पकड़ना सिखाइए, उसी प्रकार सड़क बनाने से व्यक्ति अपनी आय को आगे तक अर्जित करने में सक्षम हो जाता है। उत्कृष्ट सेवाओं से भी लाभ होता है लेकिन सार्वजनिक सेवाओं की तुलना में कम। जैसे यदि मास्क बांटा जाए तो लाभ अवश्य होता है लेकिन सड़क की तुलना में इसका लाभ कम होगा चूंकि मास्क तो व्यक्ति स्वयं भी लगा लेता है। तीसरी व्यक्तिगत सुविधाओं का लाभ न्यून ही होता है, यद्यपि इनमें खर्च ज्यादा आता है। जैसे मुफ्त बिजली-पानी उपलब्ध कराने के लिए वर्ष-दर-वर्ष सरकार को भारी रकम चुकानी पड़ती है जबकि उसका सामाजिक लाभ नहीं होता है। यदि यही रकम दिल्ली की झुग्गियों में सड़क, बिजली और मुफ्त वाईफाई उपलब्ध कराने में लगाई जाए तो जनता को और आय अर्जित करने में सुविधा होगी और उसका जीवन स्तर उत्तरोत्तर सुधरता जाएगा, जैसे मछली पकड़ना सिखाने से सुधर सकता है।

इस दृष्टि से केन्द्र सरकार को तमाम योजनाओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। केन्द्र सरकार द्वारा कुछ योजनाएं उत्कृष्ट श्रेणी की हैं जैसे किसान को पेंशन, ग्रामीण कौशल्य योजना, दीनदयाल उपाध्याय योजना, अन्त्योदय योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मातृत्व वंदना योजना और स्वामित्व योजना। इन योजनाओं से यद्यपि व्यक्ति सीधे लाभान्वित होता है लेकिन इनका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा तमाम ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं जो केवल व्यक्तिगत लाभ पहुंचाती हैं जैसे उन्नत जीवन योजना के अंतर्गत एलईडी वितरण योजना, पीएम सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत और जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा पर सब्सिडी, ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत घर, अन्त्योदय अन्न योजना के अंतर्गत खाद्यान्न और उज्ज्वला के अंतर्गत गैस और जनधन योजना के अंतर्गत बैंक में खाते खुलवाना। इस प्रकार की योजनाओं से वोट अवश्य मिलते हैं लेकिन इससे जनता का दीर्घकालीन और स्थाई विकास नहीं होता। इसलिए केन्द्र सरकार को चाहिए कि, इस प्रकार की व्यक्तिगत लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को समाप्त करे और उस रकम को रेल, सड़क और वाईफाई जैसी सामूहिक योजनाओं में लगाए, जिससे कि जनता अपनी आय बढ़ाने में सक्षम हो और अपना जीवन स्तर सुधार सके।

# रेलवे की नौकरी का झांसा

## ठगी के मामले में चार पर कार्यवाही, दो आरोपी गिफ्तार

**माही की गूंज, मंदसौर।**

रेल्वे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर रुपए हड़पने के मामले में पुलिस ने रतलाम कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है। मामले में अभी दो लोग फरार है। आरोपी, बेरोजगार युवकों के परिजन को जाल में फंसाकर ठगी करते थे।

सिटी कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया, 5 सितंबर को गीता भवन कोठारी नगर निवासी यशवंत पिता गोपाल माली (25) शिकायत की थी। जिसमें बताया कि, खिलचीपुरा निवासी मदनलाल माली व हरियाखेड़ा जिला रतलाम निवासी कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष बालूदास बैरागी ने साथियों के साथ मिलकर पश्चिम रेल्वे ग्रुप-सी और ग्रुप-डी में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी की। मदनलाल पिता शिवनारायण माली (52) व बालूदास पिता मांगूदास बैरागी (48) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

आरोपियों ने बताया, बेरोजगार लड़कों से रेल्वे में नौकरी लगवाने के नाम पर 5 से 12 लाख रुपए जैसे-जैसे नौकरी की प्रोसेस होती जाएगी, वैसे-वैसे टुकड़ों-टुकड़ों में रुपए लेने की बात की। सभी लड़कों को अन्य साथी मदन गुर्जर व विक्रम बाथम से रेल्वे में बड़ा ऑफिसर होना बताकर मिलवाया। रतलाम में डीआरएम ऑफिस के पास रेल्वे खेल ग्राउंड में सभी लड़कों से फर्जी आवेदन फॉर्म भरवा कर पहली किस्त के रूप में 2 से 3 लाख रुपए लिए। सभी को रेल्वे अस्पताल रतलाम में मेडिकल करवाने बुलवाया था। सभी का मेडिकल रेल्वे अस्पताल रतलाम में फर्जी तरीके से करवाया। उसके बाद सभी लड़कों के द्वारा नियुक्ति के लिए दबाव बनाने पर पश्चिम रेल्वे मुख्यालय चर्चगेट मुंबई ले जाकर अभ्यर्थियों को फर्जी नियुक्ति लेटर दिए। 15 दिन में सभी की ज्वॉइनिंग रेल्वे में होना बोलकर सभी से एक-एक लाख रुपए और ले लिए। सभी लड़कों को नौकरी लगवाने के लिए जो भी फर्जी दस्तावेज भेजे जाते थे वह एक-दो दिन में वापस ले लेते थे।

### ऐसे करते थे फर्जीवाड़ा

गिरोह के सदस्य, नौकरी की तलाश कर रहे युवकों के परिजन को टारगेट कर जान-पहचान बढ़ाते थे। उन्हें पश्चिम रेल्वे मुख्यालय में अच्छी सेटिंग होना बताकर पैसे लेकर भर्ती की पूरी प्रक्रिया फर्जी तरीके से आयोजित कर रेल्वे में नियुक्ति आदेश रिक्रूटमेंट भर्ती के दस्तावेज असली जैसे तैयार कर दे देते थे। मामले में फिलहाल मदन पिता प्रहलाद गुर्जर व विक्रम बाथम फरार है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## राशि आहरण के बाद भी अपूर्ण प्रधानमंत्री आवास के 8 हितग्राहियों के विरुद्ध वारंट जारी

**माही की गूंज, मानपुरा (मंदसौर)।**

शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत कर चार किस्तों में 1 लाख 20 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाती है। कुछ हितग्राहियों द्वारा आवास निर्माण की राशि प्राप्त कर लेने के बाद भी आवास पूर्ण करने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है। इस पर जनपद एवं जिला पंचायत द्वारा हितग्राहियों को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए सूचना पत्र जारी किए गए। किंतु हितग्राही सुनवाई में अनुपस्थित रहे। इस पर न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सत्यम कुमार द्वारा 8 हितग्राही शंकरलाल पिता नंदलाल ग्राम पंचायत खजूरना, गेंदकुंवर बाई मदन सिंह ग्राम पंचायत कुंतलखेड़ी, मानसिंह पिता करणसिंह, धीरपसिंह पिता दाणीसिंह ग्राम पंचायत हरनावदा, हरिसिंह पिता कारूलाल, कंकूबाई मजलू ग्राम पंचायत रायपुरिया, जगदीश पिता रतनलाल ग्राम पंचायत लोटखेड़ी, मोहम्मद हुसैन पिता हसन खां भैंसोदा को न्यायालय में पेश करने के लिए पुलिस थाना प्रभारी भानपुरा, भैंसोदा चौकी के माध्यम से हितग्राहियों को वारंट भेजा गया है। वारंट में पैशी की दिनांक 13 सितम्बर निर्धारित की गई है।

उक्त कार्रवाई से अधूरे आवास पूर्ण नहीं करने वाले हितग्राहियों को सीधे संकेत दिए गए हैं कि, शासन की योजना में राशि प्राप्त कर लेने के बाद भी कार्य में रुचि नहीं लेने वाले हितग्राहियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जा सकती है।

# नाबालिग अपहरण व बलात्कार के आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज

**माही की गूंज, रतलाम।**

एसपी गौरव तिवारी के लाख प्रयासों के बाद भी महिलाओं और नाबालिग युवतियों से जुड़े यौन अपराधों के मामलों में लगातार वृद्धि सामने आ रही है। जिले के अधिकांश थानो में इस प्रकार के मामले सामने आ रहे है, जहां ऐसे मामलों में आरोपी, पीड़िता के जान पहचान वाले ही निकलते है। जो अपनी जान पहचान का फायदा उठाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देते है।

ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें आरोपी ने नाबालिग युवती का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जानकारी अनुसार माणक चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत आरोपी अशोक निवासी हरिजन बस्ती लक्कड़पीठा ने 27 अगस्त को दोपहर में तीन बजे क्षेत्र की एक नाबालिग युवती को अपहरण कर शादी का झांसा देकर फरार हो गया था। युवती के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो पुलिस को क्षेत्र से अशोक के लापता होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस को साइबर सेल की मदद से पता चला की अशोक गुजरात में है और युवती भी उसके साथ है। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती को आरोपी के चुंगुल से छुड़ाया और आरोपी अशोक को गिरफ्तार किया। वही पुलिस द्वारा युवती का मेडिकल करवाने के दौरान स्पष्ट हुआ कि, आरोपी अशोक ने युवती के साथ कई बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 363, 366, 342, 376 (2) एन और 5 (एल)/6 पॉस्को एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कार्रवाई शुरू की।

# कोरोना के बाद डेंगु का दंश

**माही की गूंज, मंदसौर।**

कोरोना महामारी के बीच अब डेंगू का दंश भयभीत कर रहा है। अंचल में तेजी से डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं। मंदसौर व रतलाम सबसे ज्यादा प्रभाव है, वहीं अब तक धार जिले में 10 मौतें सामने आई हैं। आंकड़ों से बेखबर स्वास्थ्य विभाग सरकारी अस्पतालों में बेहतर इंतजामों का दावा कर रहा है। विभाग का कहना है कि, कहीं भी बेड सहित चिकित्सा इंतजामों की कोई कमी नहीं है।

जिले में अभी तक डेंगू के करीब 600 मरीज सामने आ चुके हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग अभी भी 200 पर ही अटका है। जिला अस्पताल में 50 बिस्तर का एक वार्ड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित है, वर्तमान में 15 मरीज भर्ती हैं। जिला अस्पताल में ब्लड सेपरेशन मशीन तो है पर वह एक यूनिट रक्त से केवल पांच हजार प्लेटलेट ही अलग कर पाती है। मरीज इंदौर और राजस्थान के उदयपुर के निजी अस्पताल में इलाज कराने जा रहे हैं।

वहीं पडोसी जिला रतलाम में एलाइजा टेस्ट के बाद अब तक 213 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है, इनमें 150 रतलाम शहर के हैं। जिला अस्पताल में मेल व फीमेल वार्ड में डेंगू के मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। शासकीय मेडिकल कॉलेज में 60 बिस्तर का वार्ड डेंगू मरीजों के लिए शुरू हो गया है।

## अवैध शराब पर कार्यवाही पांच गिरफ्तार

**माही की गूंज, रतलाम।** पिछले कुछ समय में प्रदेश में कई जगहों पर शराब में मिलावट के कई मामले सामने आए हैं जिसमें कई लोगों ने अपनी जानें तक गंवाई है। मौतों के बाद आबकारी विभाग और पुलिस दोनों ही हरकत में आ गया है। लगातार छापामार कार्रवाई जारी है। इसी सिलसिले में जिले के सैलाना वृत में भी अवैध शराब के कारखाने पर पुलिस ने दबिश देकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी अनुसार वृत सैलाना के बाजना थाना के ग्राम पीपलीपाड में रमेश पिता गहजिंग से 10 लीटर हाथ भट्टी व 100 किग्रा लहान, शांतु पिता गोतम से 8 लीटर हाथ भट्टी व 100 किग्रा लहान, मुन्ना पिता लालू से 9 लीटर हाथ भट्टी, मांगू पिता रमेश निवासी लालपुरा से 12 लीटर हाथ भट्टी व 100 किग्रा लहान, गोतम पिता बाडिया से 15 लीटर हाथ भट्टी व 100 किग्रा लहान सैंपल लेकर नष्ट की। इस प्रकार दबिश में 5 प्रकरणों में कुल मदिरा 54 लीटर हाथ भट्टी व 400 किग्रा लहान जब्त किया गया, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 3 लाख 400 रुपए है। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी वृत्त सैलाना प्रभारी पुष्पराजसिंह द्वारा म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

# किसान जन आक्रोश रेली में भाजपा पर बरसे पुर्व मंत्री पटवारी

**माही की गूंज, शाजापुर।**

किसान जन आक्रोष रेली में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि, जब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार थी तब शिवराज विधानसभा सायकल से जाते थे और कभी खेत से फसल उखाड़ कर रोड़ पर खड़े हो जाते थे। कमलनाथ सरकार जब तक रही किसानों का कर्ज माफ हुआ, शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चला और माफियाओं पर कार्रवाई होने लगी। श्री पटवारी ने भाजपा और शिवराज पर गंभीर आरोप लगाते हुए सिंधिया पर भी तंज कसते हुए कहा कि, अच्छी चल रही कमलनाथ सरकार को शिवराज सिंह चौहान के षडयंत्र ने गिरा दिया और हद तो तब हो गई जब शिवराज सिंह चौहान ने विधायक के साथ-साथ महल में रहने वाले महाराज तक को खरीद लिया और कमलनाथ सरकार को गिरा दिया। अब हम किसानों के लिए फसल के मुआवजे की मांग कर रहे है।

उन्होंने कहा कि, शिवराज चौहान ने मंच से तो कह दिया कि बिजली के बिल मत भरना, लाइट काट भी दी गई तो में स्वयं आऊंगा और खंबे पर चढ़कर तार जोड़ दूंगा। अब शिवराज कहां है, जिनके भारी भरकम बिजली बिलों के कारण लाइट कट गई, वो अंधेरे में अपना गुजर बसर कर रहे हैं। और तो और अब तो मध्यप्रदेश में बिजली कटौती भी चालू हो गई है। श्री पटवारी ने कहा कि, आप लोग स्वयं फैसला करो कि कमलनाथ सरकार सिर्फ 100 रुपए के बिजली बिल दे रही थी वो अच्छी थी या शिवराज सरकार कटौती के साथ-साथ बिजली के भारी भरकम बिल दे रही है वो अच्छी है। उन्होंने मंच से ये घोषणा भी की कि, कांग्रेस की सरकार आने पर सरकार गेंहू का न्यूनतम मूल्य 2 हजार 500 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी। वहीं जनसभा को पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के अलावा कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी, इछावर के पूर्व विधायक शेलेन्द्र पटेल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामवीर सिंह सिकरवार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह बंटी बना, प्रदेश सचिव गजेन्द्र सिसोदिया, युवा नेता नरेश कसान, कार्यकारी जिलाध्यक्ष द्वय अशोक परमार व केदार मेवाड़ा, सरपंच दुर्गाप्रसाद सोनानिया व डॉक्टर मुकेश सोनानिया सहित कई वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने संबोधित किया।

# सकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय कांठी एवं सचिव हिमांशु त्रिवेदी निर्विरोध निर्वाचित

**माही की गूंज, झाबुआ।**

शहर के सबसे बड़े संगठन, जिसके सदस्यों की संख्या वर्तमान में 650 से भी अधिक है। ऐसे वृहद संगठन के निर्वाचन की प्रक्रिया विगत 1 सितंबर से जारी थी। जिसमें मुख्य अध्यक्ष एवं सचिव पद के साथ उपाध्यक्ष, सह-सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए निर्वाचन होना था। 1 से 5 सितंबर तक फार्म प्राप्त करने और 7 सितंबर तक फार्म जमा करने तक सभी पदों के लिए एक-एक ही फार्म आने से सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिसमें अध्यक्ष संजय कांठी, सचिव हिमांशु त्रिवेदी, उपाध्यक्ष पंकज जैन 'मोगरा' एवं कोषाध्यक्ष अमित जैन निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं इस दौरान दो अन्य उपाध्यक्ष विजय परिहार एवं दीपक माहेश्वरी के साथ सह-सचिव पद पर अब्बासभाई बोहरा झाबुआ वाले का मनोनयन किया। सभी नव-मनोनीत पदाधिकारियों का सकल व्यापारी संघ की पूर्व कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने निर्वाचन स्थल सकल व्यापारी संघ की साख सहकारी संस्था, प्राचीन श्री राम मंदिर पर भव्य स्वागत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र यादव एवं रमेश डोशी ने बताया कि सकल व्यापारी संघ की पूर्व कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 अगस्त 2021 को समाप्त हो गया था। इसके बाद 1 सितंबर से नवीन कार्यकारिणी के निर्वाचन की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिसमें 1 से 5 सितंबर तक फार्म कार्यालय से प्राप्त किए गए। 7 सितंबर तक जमा करने की अंतिम तिथि होने से इस दिन तक अध्यक्ष पद के लिए केवल एक फार्म संजय कांठी, उपाध्यक्ष के लिए एक पंकज जैन 'मोगरा', सचिव पद के लिए एक हिमांशु त्रिवेदी एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए भी एक अमित जैन का ही फार्म प्राप्त होने पर निर्वाचन अधिकारियों ने इन पदो के लिए इन्हीं नामों पर अंतिम मोहर लगाई। इसी बीच नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की सहमति से ही 2 अन्य उपाध्यक्ष के रूप में विजय परिहार एवं दीपक माहेश्वरी तथा सह-सचिव पद के लिए अब्बासभाई बोहरा झाबुआ वाले का मनोनयन किया गया।

### यह रहेंगी प्राथमिकताएं

निर्वाचन बाद सकल व्यापारी संघ के नवीन अध्यक्ष संजय कांठी एवं सचिव हिमांशु त्रिवेदी ने

बताया कि वह शहर के व्यापारियों के स्नेह और विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। शहर के समस्त व्यापारियों के साथ शासन-प्रशासन से तालमेल बनाकर कार्य किया जाएगा। मुख्य रूप से शहर का एक रोडमेप तैयार कर उसे शासन-प्रशासन के समक्ष साझा कर कार्य किए जाएंगे, ताकि शहर को अधिक से अधिक सुंदर एवं अतिक्रमण रहित बनाया जा सके। साथ ही पुलिस प्रशासन के सहयोग से शहर की यातायात व्यवस्था को भी चुस्त-दुरस्त करने की पहल की जाएगी। आगामी दिनों में कोरोना महामारी से रोकथाम हेतु शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे वैक्सीनेशन महाभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक कैंप लगाकर 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी महिला-पुरूषों का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन करवाना भी मुख्य प्राथमिकता रहेगी।

## मंडी सचिव के विरुद्ध हो कार्रवाई, भेजा प्रस्ताव

**माही की गूंज, रतलाम।** जिले की जावरा कृषि उपज मंडी के सचिव के वायरल हुए ऑडियो के संबंध में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड से चर्चा कर सचिव के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव प्रेषित किया है। कलेक्टर ने एसडीएम जावरा हिमांशु प्रजापति को जांच कार्य सौंपा था। जांच प्रतिवेदन पश्चात् पाया गया कि, कथित ऑडियो में प्रथम दृष्टया मंडी सचिव की आवाज प्रतीत होती है उनके द्वारा कोई खंडन भी नहीं किया गया है। इससे शासन की छवि खराब होती है। इसके अलावा मंडी सचिव द्वारा कार्य में भी लापरवाही बरती जा रही है।

## आबकारी विभाग की चांदी: 5 माह में 85 करोड़ से अधिक आय अर्जित

**माही की गूंज, रतलाम।**

जिला आबकारी विभाग द्वारा विगत 5 माह में 85 करोड़ रुपए से ज्यादा विभागीय आय अर्जित की गई है जो कि लक्ष्य की तुलना में 29.85 प्रतिशत अधिक है।

सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती नीरजा श्रीवास्तव ने बताया कि, विगत 5 माह में जिले में विभागीय रूप से 746 प्रकरण बनाए गए है, न्यायालयीन प्रकरणों की संख्या 586 है। अप्रैल से लेकर अगस्त तक विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में करिब 3 हजार बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 14 हजार 823 किलो लहान, 965.46 लीटर देसी मदिरा, विदेशी मदिरा में 49.46 लीटर स्प्रिट तथा 183.75 लीटर माल्ट जप्त किया गया है।

माह अप्रैल से अगस्त तक कायम किए गए न्यायालयीन प्रकरणों में आरोपियों की संख्या 554 है और उक्त अवधि में कायम विभागीय प्रकरणों में 5 लाख 69 हजार 230 रूपए संधान राशि वसूल की गई है।

# यूथ प्रेस क्लब ने शिक्षकों एवं वरिष्ठ पत्रकारों का किया सम्मन

## नदी, पेड़ और पर्यावरण पुस्तक का किया विमोचन

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

देश के दुसरे राष्ट्रपति व भारत रत्न सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्मदिन शिक्षक दिवस के अवसर पर तहसील में इस वर्ष सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों एवं अपने विद्यालय व शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तहसील भानपुरा के शिक्षकों का सम्मान समारोह शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा के गांधी हाल में प्रेस क्लब भानपुरा के मार्गदर्शन में एवं यूथ प्रेस क्लब भानपुरा के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मालवा क्षेत्र के मनासा निवासी लोकप्रिय लोक साहित्यकार कवि एवं शिक्षाविद सेवानिवृत्त शिक्षक डॉ. पूरन सहगल का विशेष रूप से सम्मान कर उनकी पुस्तक नदी, पेड़ और पर्यावरण का विमोचन अतिथियों के हाथों संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रेस क्लब भानपुरा के अध्यक्ष अनिल नाहर ने अपने संबोधन में कहा कि, एक शिक्षक को अपने विषय का पूरा ज्ञान होना चाहिए, उसका पहनावा रहन-सहन एवं स्वस्थ शरीर का उसे मालिक होना चाहिए, ताकि वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर पढ़ाई के साथ उच्च आचरण प्रदान कर सकें।

राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत एवं शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष हरीश नामदेव ने कहा कि, पहली बार शिक्षक संघ के अलावा अन्य संस्था युथ प्रेस क्लब द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया, वरना अभी तक शिक्षक ही शिक्षकों का सम्मान करते आए हैं यह अत्यंत ही दुःख का विषय था। यही विचार राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत कस्तूरचंद भट्ट ने भी अपने संबोधन में व्यक्त किए।

विशेष अतिथि के रुप में साहित्यकार एवं पूरावैत्ता डॉ. पीके भट्ट ने अपने संबोधन में डॉ पूरन सहगल द्वारा साहित्य सेवा में दिए अपने 50 वर्षों में लगभग 275 पुस्तकों के लेखन एवं उनके उत्कृष्ट लेखन को देश ही नहीं विदेशों तक भी मान्यता व सम्मान दिए जाने तथा इस आयोजन के गरिमामई रूप से आयोजित किए जाने पर प्रेस क्लब भानपुरा एवं युथ प्रेस क्लब को साधुवाद दिया। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक अध्यक्ष लालचंद रुद्रवाल ने सच्चाई उजागर करने, सदैव क्षेत्रवासियों की समस्याओं को समाधान तक पहुंचाने के लिए अपनी कलम का सदुपयोग करने व बिना लोभ, लालच ,भय तथा पूर्वाग्रह से दूर पारदर्शिता के तहत समाचार प्रकाशित करने का सभी की ओर से संकल्प दोहराया।

प्रेस क्लब उपाध्यक्ष पूर्व पार्षद व प्रतिपक्ष नेता हरि कृष्ण मरमट ने कहा कि, जिस आयोजन को नगर परिषद भानपुरा द्वारा आयोजित किया जाना था, वहीं इस लड़ाई को उन्होंने जारी रखा। परंतु कई सत्तारूढ़ जनप्रतिनिधि नहीं चाहते थे कि इस सम्मानजनक आयोजन को नगर परिषद आयोजित करें। इस अवसर पर प्रेस क्लब भानपुरा के अध्यक्ष अनिल नाहर, सचिव लालचंद रुद्रवाल, उपाध्यक्ष हरि कृष्ण मरमट एवं कोषाध्यक्ष करण भूटानी को भी यूथ प्रेस क्लब की ओर से सम्मानित किया गया।

आयोजन के पूर्व यूथ प्रेस क्लब भानपुरा के पदाधिकारी सूर्य प्रकाश भट्ट ने स्वागत भाषण दिया एवं आभार यूथ प्रेस क्लब भानपुरा के अध्यक्ष साहिल अगवान ने माना एवं आगामी वर्षों में भी शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित करने का वादा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार सिंह चंदेल ने कहा कि, उनके रहते हुए किसी भी शिक्षक के हितों को आगात नहीं पहुंचाया जा सकता है वे सदैव शिक्षकों के हित में यथासंभव प्रयास करते रहते हैं एवं करते रहेंगे।

विशेष अतिथि के रुप में डॉ. पूरन सहगल ने कहा कि, शिक्षक राष्ट्र निर्माता के रूप में अपने बेहतर दायित्व को निभाए एवं उसे राष्ट्र की भावी बेहतर मूर्तियों का सृजन करने वाला बनना चाहिए तभी ऐसे बेहतर शिक्षकों का सम्मान किया जाता है।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजेश बंडवाल ने किया। अन्य वक्ताओं में प्रेस क्लब के अपूर्व चोरड़िया एवं सदैव की तरह अपनी रचनाओं से क्षेत्रवासियों को जगाने वाले क्षेत्र के जाने-माने कवि एवं साहित्यकार शिक्षक राधेश्याम टेलर ने भी अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों प्रदान की। शिक्षिका प्रतिभा वशिष्ट ने भी अपना उत्कृष्ट संबोधन दिया व शिक्षक गोरीलाल बंजारा ने भी एक गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों में प्रदीप कुमार जोशी, राम प्रसाद रावत, इकबाल हुसैन पठान, कन्हैयालाल धाकड़, गोपाल पालीवाल, शोभाराम कसानिया, श्याम लाल मेघवाल, रोडमल रांगोटा, आबिद हुसैन, प्रभुलाल अमरचिया, सत्यनारायण गुप्ता, मुकेश किशन राठौर, लक्ष्मीनारायण कुलमी, अशोक पाटीदार, मुरली चंदेल, घनश्याम मेहर, सुश्री लाली भील, अशोक धाकड़, श्रीमती कृष्णा रूद्रवाल, देवकरण बंबोरिया सहित कुल 37 शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। सरस्वती वंदना सुनील माली द्वारा प्रस्तुत की गई। यूथ प्रेस क्लब के राजकुमार भट्ट, अपूर्व चोरड़िया, सलमान अंसारी भी कार्यकर्म आयोजक के रूप मौजूद रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### ग्राम रूणजी में शतप्रतिशत टीकाकरण संपन्न

**माही की गूंज, पेटलावद।** पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम रूणजी में 100 प्रतिशत टीकाकरण को लेकर लोगो को समझाकर बचे हुए लोगों को 100 डोज बुधवार को लगाए गए। प्रशासन द्वारा लगातार लोगो को समझाया जा रहा था साथ ही ग्रामीणों को सामाजिक, शिक्षक, बीएलओ, आशा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि के विशेष योगदान रहा। ग्राम पंचायत रूणजी के उपसरपंच दिनेश गामड, पूर्व सरपंच शम्भुलाल वसुनिया, रामचंद्र डामर, भगवानसिह भाभर बीएलओ शिक्षक कैलाश मालिवाड़, सीएचओ आशीष राणा, एएनएम अनुगृह पोरवाल, आशा कार्यकर्ता काली मालिवाड़, शिक्षक गयानेशवर शर्मा, परमानंद खैर, रमेश मालिवाड, आशा सुपरवाईजर विकास गामड, आशा संगीता कटारा, रेखा गरवाल, मोनिका तोमर, सामुडी भूरिया, भूला गरवाल उपस्थिति रहीं।

### बैंक मित्र उद्यमिता विकास प्रशिक्षण संपन्न

**माही की गूंज, बड़वानी।** स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी बड़वानी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बड़वानी द्वारा चयनित स्व सहायता समूह सदस्य महिलाओं और युवतियो को मिशन एक जीपी एक बीसी अंतर्गत 6 दिवसीय बैंक मित्र उद्यमिता विकास प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने 'इंस्टीट्यूट इंडियन इंस्टीट्यूट आफबैंकिंग फाइनेंस' के द्वारा आयोजित ऑनलाइन टेस्ट भी दिया गया। जिसमें 40 प्रतिभागियों ने सफलता प्राप्त की। अब उक्त 40 महिलाएं बड़वानी जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में बैंक सखी का कार्य कर वित्तीय सेवाएं ग्रामीण स्तर तक पहुंचाएगी।

प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगेश तिवारी जिला परियोजना प्रबंधक, एनआरएमएम रहे, जिन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को लगन के साथ कार्य करते हुए जीवन में सफलता पाने के सूत्र दिए। इसी कड़ी में सुश्री आयुषी पाटीदार जिला प्रबंधक, सूक्ष्म वित्त मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को सर्व शक्ति का सूचक बताते हुए, बैंक बीसी को माता लक्ष्मी का रूप बताया जो भारत देश के हृदय स्थल ग्रामों में धन का आदान प्रदान करेगी। आरसेटी निदेशक सौजन्य जोशी द्वारा अतिथियों का आभार मानते हुए प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन कार्यक्रम संचालन संकाय सदस्य अपूर्व जैन ने किया समापन कार्यक्रम में यश सेठी, आयुष जैन, रितेश कुमावत, किशन बघेल उपस्थित रहे।

### नवागत एसपी ने किया पदभार ग्रहण

**माही की गूंज, बड़वानी।** नवागत पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होने कहा कि, क्षेत्र एवं लोगों की पुलिस से क्या अपेक्षाएं हैं, उसे समझकर यह प्रयास करेंगे कि हम लोगों की समस्याओं का निराकरण कर सके। स्थानीय समस्याएं और चुनौतियां क्या है, पुलिस कैसे आमजनता के लिए कार्य कर सकती हैं। इसे जानकर जनता की बेहतरी के लिए श्रेष्ठ कार्य करने का प्रयास करेंगे, जनता की संतुष्टि ही हमारा लक्ष्य है।

### बारिश में गड्ढे बने मुसीबत

**माही की गूंज, खरगोन।** शहर स्वच्छता की दौड़ में नंबर एक बनते जा रहा है, किंतु सड़क के गड्ढो और बारिश के पानी के भराव से छुटकारा नही मिल रहा है। ऐसा ही एक नजारा खरगोन-खण्डवा मार्ग पर अति व्यस्ततम भगत सिंह चौराहे पर देखने को मिलता है, जहां पर खण्डवा की ओर जाने वाली बसों का एक प्रमुख बस स्टॉप है। जहां खरगोन शहर में औसतन बारिश छुट-पुट रूप से प्रतिदिन हो रही है और गत सोमवार के दिन भी अच्छी बारिश लगभग एक घंटे तक हुई। ऐसी स्थिति में सड़क के गड्ढो में बारिश का पानी भर जाने के कारण पैदल और वाहनों से निकलने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं, जो की आए दिन दुर्घटना को न्यौता देते हुए नजर आते है। अब प्रशासन जान बूझ के मौन है या फिर किसी दिन बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार कर रहा है।

### कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ईवीएम/वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया

**माही की गूंज, झाबुआ।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए निर्देश के पालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा पोलेटेक्नीक कॉलेज झाबुआ में स्थापित ईवीएम/वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया एवं संधारित रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। यहां पर मशीनों के सुरक्षित संधारण एवं सुरक्षा के संबंध में बाहरी निरीक्षण (वेयर हाउस का ताला खोले बिना अर्थात सील्ड वेयर हाउस) का निरीक्षण आज दिनांक 07 सितम्बर 2021 को किया गया। इस दौरान निर्वाचन सुपरवायजर श्री प्रकाश सिंगाडिया उपस्थित थे।

# सीएम हेल्प लाइन पर नहीं मिल रही हेल्प

## जिले के अधिकारी कर रहे गलत तरीके से फोर्ज क्लेज

**माही की गूंज, खरगोन।**

राज्य सरकार ने आमजन की समस्या के तत्काल निराकरण के लिए एक महत्वपूर्ण व प्रभावशील योजना सीएम हेल्पलाइन की शुरुआत की थी। लेकिन आमजन को यह नही मालूम कि, शासन के नुमाइंदे ही इस योजना को फेल करने में ही लगे हुए है। अधिकारी व कर्मचारी द्वारा शिकायतकर्ता से संपर्क करना तो ठीक है बस उसकी दर्ज शिकायत को गलत तरीके से फोर्ज क्लोज करने में लगे हैं और कई शिकायतों में तो बगेर निराकरण करे ही एल 4 भोपाल तक जाने के बाद भी फोर्ज क्लोज किए जाने का सिलसिला चल रहा है।

### विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल ने दिए कार्रवाई के आदेश

ग्राम सेगांव के धीरज मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत सेगांव और जनपद पंचायत सेगांव की मिलीभगत से अवैध तरीके से बनाई कई दुकानों के मामले में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज की थी। लेकिन जनपद पंचायत सेगांव के अधिकारी ने मनमाने तरीके से प्रतिवेदन डालकर गलत तरीके से कई प्रमाणित शिकायतों को जिला पंचायत खरगोन के अधिकारियो से सांठ-गांठ कर फोर्ज क्लोज कर दी थी। धीरज मिश्रा द्वारा भोपाल के कई उच्च अधिकारियो को लिखित में मय प्रमाण के साथ डाक से 11 अगस्त को प्रेषित की गई। आनन फानन में विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए 18 अगस्त को जिला कलेक्टर खरगोन व जिला पंचायत खरगोन को गलत तरीके से प्रमाणित सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों को फोर्ज क्लोज करने वाले अधिकारियो ओर कर्मचारियो पर कार्रवाई करने के आदेश देकर सात दिवस में शिकायतकर्ता व विकाश आयुक्त कार्यालय भोपाल को जानकारी प्रेषित करने के आदेश जारी किए।

### एल 1 अधिकारी की शिकायत की जांच एल 1 अधिकारी ही करते है

सीएम हेल्पलाइन पर एल 1 अधिकारी द्वारा मनमाने तरीके से की गई शिकायत को गलत प्रतिवेदन डालकर गुमराह किया जाता हैं। चाहें शिकायतकर्ता के पास प्रमाणित कागज हो, उसके बाद भी उसकी बात नही सुनी जाती है। हताश होकर शिकायतकर्ता जब प्रमाणित कागजो सहित लिखित में शिकायत जिले अधिकारियो को देता है, तो जिले वाले खुद न जांच करते हुए जांच जनपद पंचायत के एल 1 अधिकारियो को ही जांच करने लिए भेजते है। जिसकी शिकायत हो तो उसकी ही जाँच में निराकरण कैसे निकलेगा यह एक गम्भीर समस्या है।

### जिले की ग्रेड डगमगाई

सीएम हेल्पलाइन का समय पर निराकरण नही होने के कारण कई सीएम हेल्पलाइन एल 4 भोपाल स्तर के अधिकारियो के पास पहुँच गई है और हर महीने की 20 तारीख को भोपाल में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा होती है। जिसमे खरगोन जिला शिकायतों को निपटाने में फिसड्डी साबित हुआ है, जिससे जिले की ग्रेड बिगड़ी है।

### पंचायत राज संचालनालय का आदेश भी नही मान रहे एल 1 अधिकारी

पंचायत राज संचालनालय भोपाल द्वारा 18 दिसम्बर 2020 को पत्र क्रमांक 14377 द्वारा मध्य प्रदेश के सभी कलेक्टर, जिला पंचायत, जनपद पंचायत को आदेशित किया था और बिंदु 4 में स्पष्ट लिखा था कि, 'कोई सीएम हेल्पलाइन में कार्रवाई प्रचलन में है', ऐसा पोर्टल पर नहीं डालें। इसके बाद भी एल 1 अधिकारी कई सीएम हेल्पलाइन पर कार्रवाई प्रचलन में है ऐसा ही प्रतिवेदन दर्ज कर रहे हैं।

### फोर्ज क्लोज के यह है नियम

मध्यप्रदेश शासन मुख्य सचिव कार्यालय मंत्रालय के पत्र क्रमांक 181 दिनांक 17 अगस्त 2017 के अनुसार एल 3 अधिकारी एवं एल 4 अधिकारी को निम्नलिखित शिकायतों को फोर्ज क्लोज करने के अधिकार दिए हैं।

पहला, ऐसे प्रकरण जिसमे हितग्राही या तो अपात्र है या उसे सेवा/योजना का लाभ नीतिगत रूप से नहीं दिया जा सकता है।

दूसरा, ऐसे प्रकरण जिसमें सूचना के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत जानकारी मांगी हो और उसकी शिकायत दर्ज कर रखी हो।

तीसरा, ऐसे प्रकरण जो कि उच्च न्यायालय अन्य न्यायालय में प्रकरण प्रचलित हो।

### शिकायतकर्ता की शिकायत पर निराकरण के यह प्रावधान

शिकायतकर्ता जब अपनी शिकायत दर्ज करता है तो प्रथम स्तर के अधिकारी द्वारा अधिकतम सात कार्य दिवस में उसका निराकरण करना चाहिए। द्वितीय स्तर के अधिकारी के द्वारा भी अधिकतम सात कार्य दिवस में शिकायतकर्ता की शिकायत का निराकरण करना चाहिए। प्रति स्तर के अधिकारी द्वारा भी अधिकतम सात कार्य दिवस में शिकायतकर्ता की शिकायत का निराकरण करना चाहिए। इसी प्रकार चतुर्थ स्तर के अधिकारी के द्वारा भी अधिकतम सात कार्य दिवस के अंदर शिकायतकर्ता की शिकायत का निराकरण करना चाहिए। लेकिन देखने में यह आया है कि, कई महीनों तक कई अधिकारियों द्वारा पोर्टल पर प्रतिवेदन नहीं डाला जाता है और वह शिकायत सीधे एल 4 पर दर्ज हो जाती है।

### जिले से कई बार जारी हुए आदेश

सीएम हेल्पलाइन को लेकर जिला पंचायत द्वारा कई बार सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जिले में पेंडिंग पड़ी सीएम हेल्पलाइन के निराकरण के लिए आदेश भी जारी हुए हैं। लेकिन हर बार जनपद के अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन को हल्के में लिया जाता है, जिसके कारण कई सीएम हेल्पलाइन निराकरण का रास्ता देख रही है।

मध्यप्रदेश शासन लोक सेवा प्रबंधन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल, अवर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल द्वारा जिला पंचायत खरगोन को पत्र जारी किया गया था। जिसके बाद जिला पंचायत खरगोन द्वारा पत्र क्रमांक 1799 दिनांक 15 मार्च को जो सीएम हेल्पलाइन 100 दिन से ऊपर जिसकी संख्या 142 थी उनके निराकरण के लिए 29 लोगों की टीम गठित की गई थी। उसके बाद भी कई सीएम हेल्पलाइन निराकरण का रास्ता देख रही है।

नवागत जिला पंचायत सीओ दिव्याक सिंह द्वारा दिनांक 11 अगस्त को पत्र क्रमांक 3840 द्वारा जिले के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपदों को एक आदेश जारी कर जिले में बढ़ती हुई सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संबंध में 14 बिंदु में निर्देश जारी किए गए हैं। सभी बिंदुवार निर्देश में सख्त लहजे में सीएम हेल्पलाइन के निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन सभी जनपद के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निराकरण करने के बजाए गलत तरीके से फोर्ज क्लोज करने में लगे हैं। जिससे आमजन का विश्वाश सीएम हेल्पलाइन के प्रति कम होता जा रहा है।

18 अगस्त को जारी विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल का आदेष।

# वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं के लिए मशहूर है कान्हा नेशनल पार्क

**माही की गूंज, बड़वानी।**

प्रदेश में स्थापित नेशनल पार्कों के प्रति देशी पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटक बहुत तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इनमें से एक है, कान्हा नेशनल पार्क, यह पार्क वन सम्पदा, वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं से लबरेज है।

कान्हा नेशनल पार्क विलक्षण और अद्वितीय प्राकृतिक आवास के लिए जाना-जाता है। कान्हा का संपूर्ण वन क्षेत्र वैभवशाली अतीत को आज भी संजोए हुए है, जिसकी वजह से यह पार्क देशी-विदेशी पर्यटकों को बरबस अपनी ओर खींचता है।

मण्डला और बालाघाट जिले की सीमा से लगा यह पार्क प्राकृतिक और पर्यावरणीय गौरव के लिए जाना जाता है। क्षेत्रफल के लिहाज से इसका देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पार्कों में शुमार है। कोर वन मण्डल (राष्ट्रीय उद्यान) एवं बफर जोन वन मण्डल कान्हा टाईगर रिजर्व के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों वन मण्डल का क्षेत्रफल क्रमशरू 940 और 1134 वर्ग कि.मी. है। राष्ट्रीय उद्यान में 91 हजार 743 वर्ग कि.मी. का क्षेत्रफल क्रिटिकल टाईगर हेबीटेट के रूप में अधिसूचित है। इसके अलावा टाइगर रिजर्व के अधीन एक वन्य-प्राणी अभयारण्य सेटेलाइट मिनी कोर-फेन अभयारण्य है, जो 110.74 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला है।

### 118 बाघ और 146 तेंदुए सहित अनेक वन्य-जीव है मौजूद

टाइगर रिजर्व में वन्य-प्राणी गणना आकलन 2020 के अनुसार 118 बाघ और 146 तेंदुए मौजूद हैं। बाघों में 83 वयस्क और 35 शावक बाघ हैं। इसके अलावा जंगली कुत्ता, लकड़ बग्घा, सियार, भेड़िया, भालू (रीछ), लोमड़ी, जंगली बिल्ली, जंगली सुअर, गौर, चीतल, बारासिंघा, सांभर, मेड़क-मेड़की, चैसिंघा, नीलगाय, नेवला, पानी कुत्ता (उद बिलाव), सेही, लंगूर, बंदर, मोर प्रजाति के वन्य-जीव उपलब्ध हैं। साथ ही स्तनधारियों की तकरीबन 43 प्रजाति, पक्षियों की 325, सरी सृप की 39, कीट की 500, मकड़ी की 114 और पतंगों और तितलियों की भी अनेक प्रजाति पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं।

## भादवी बीज का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, खरगोन/गोपालपुरा।**

जिला मुख्यालय के समीप खरगोन-खंडवा राजमार्ग पर स्थित ग्राम गोपालपुरा में भादव मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया भादवी बीज के दिन कुलदेवी श्री आई माता जी का 607 वॉ जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया। पूरे ग्राम में आईमाता की झाँकी निकाली गई, जिसमे समाजजन डीजे और ढोल-ताशों पर माता की भक्ति में रमते हुए नाचते-गाते और झूमते हुए नजर आए। सम्पूर्ण यात्रा में समाज के सभी बंधु एवं सीरवी समाज सकल पंच भिमाजी सेप्टा, मनोज कुमार हम्मड, रामजी जमादारी, रूपाजी बरफ एवं श्री आई जी नवयुवक मित्र मंडल के सभी कार्यकर्तागण व समाजजन उपस्थित थे।

## पर्युषण महापर्व पर चल रहा धर्ममय वातावरण

**माही की गूंज, मेघनगर।**

चार माह के चातुर्मास में परवाधीराज पर्यूषण पर्व आते हैं। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व को बड़े ही हर्ष से तप, त्याग और तपस्या प्रतिक्रमण कर सभी जीवो से क्षमा याचना की जाती है। इस पर्व को 8 दिन तक मनाया जाता है। पर्यूषण पर्व पर भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों पर चलकर पर्व पर्यूषण पर शास्त्र का वाचन 8 दिन तक किया जाता है। पर्यूषण पर्व के पांचवे दिन महावीर स्वामी भगवान का जन्मवाचन किया जाता है और बड़े ही हर्ष के साथ इस त्यौहार को आठवें दिन संवत्सरी प्रतिक्रमण कर सभी जीवो से क्षमा याचना कर इस पर्व का समापन किया जाता है। पर्व के पांचवे दिन भगवान महावीर स्वामी का जन्म उत्सव मनाया गया। जिसमें भगवान के 14 सपना जी की बोलियां बोली गई, जिसमें समाज जनों ने बढ़-चढ़कर बोलिया लगाई। लक्ष्मी जी के सपना जी का लाभ सुरेशचंद जैन परिवार एवं पालना जी का लाभ अनमोल कुमार, अजीत कुमार संघवी परिवार ने लिया। भगवान की आरती का लाभ सम्यक कुमार, सुनील कुमार संघवी, मंगल, दीपक एवं नाकोड़ा भेरू जी की आरती का लाभ सुरेश चंद्र जैन परिवार एवं गुरुदेव की आरती का लाभ राहुल, गौतम, मदन संघवी परिवार ने लिया। भगवान के जन्म का वाचन सुनील पावेचा ने किया। जन्म वाचन पश्चात जुलूस के रूप में सपना जी को मंदिर में विराजित किए एवं पालना जी को झूला कर यहां भगवान की 108 दीपों से आरती उतारी गई। आरती पश्चात विजेंद्र कुमार झामर परिवार द्वारा केसर व कुमकुम के छापे लगाए गए।

### नवदुर्गा धाम पर श्रावण मास के अंतिम सोमवार को महाभिषेक की हुई पूर्णाहूति

**माही की गूंज, झाबुआ।** शहर के हाऊसिग बोर्ड कॉलोनी स्थित नवदुर्गा धाम (जगदम्बे माता मंदिर) पर गुजराती समाज के श्रावण मास के तीसों दिन प्रतिदिन महाभिषेक का आयोजन लाभार्थी आशा राशिनकर परिवार की ओर से किया गया। जिसमें नवदुर्गा धाम में विराजित ऋण मुक्तेश्वर महादेवजी का महाभिषेक राशिनकर परिवार के साथ मंदिर से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक किया।

# कई चक्कर काटने के बाद भी नही मिल रही निराश्रितो को पेंशन

## ग्राम पंचायत सचिव का कार्य कर रहा बाहरी व्यक्ति

**माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा**

वेसे केंद्र सरकार व राज्य सरकार कई योजनाए संचालित तो कर रही है। लेकिन धरातल पर इसका पात्र व्यक्तियो को कितना लाभ मिलता है ये अलग बात है। मामला थांदला जनपद की ग्राम पंचायत भामल जिससे कल्याणी व निराश्रित को 3 साल से पेंशन ही नहीं मिल रही है। पूर्व में सहकारी सस्था भामल में ऑफलाइन पेंशन मिलती थी। लेकिन वहा से महिला के खाते कियोस्क बैंक में किए लेकिन वहा जाते है तो कहते है कि, तुम्हारे खाते में राशि नहीं हे। पंचायत में जा के कहो वहा से फिर आते है। पंचायत में कहते है तो जवाब मिलता है, राशि जमा हो जाएगी। निराश्रितो का कहना है, अब हम कहा जाए, हमारी कौन सुनेगा, हमारी पीड़ा किसको सुनाए।

ईसी तरह पंचायत भवन पर लगा रहता है ताला।

### इन को नहीं मिली पेंशन

कतु बाई मईड़ा(बेवा) मोतली पति हीरा मईड़ा , हीरा पिता संतरा मईड़ा, रमतू मईड़ा(बेवा), मेता डाबी(बेवा), आदि के साथ कई पात्र लोगो को पेंशन नही मिल रही है। अब कहां हे सरकार की योजना स्थानीय अधिकारियो की लापरवाही से बुजुर्ग आज भी परेशान होते हुए दिखाई दे रहे है। कभी पंचायत तो कभी बैंक में पेसो के लिए दौड़ लगा रहे है। लेकिन पैसे नही मिलं रहै। एक तरफप्रशासन हर योजनाए का लाभ लेने के लिए आम जनता तक योजना का गुणगान गाते है।लेकिन उक्त योजना के लिए कितनी चप्पल घिस रहै है उससे इन अधिकारियो को कोई लेना-देना नही

### सहायक सचिव कौन है? ग्रामीणों को पता ही नहीं, पंचायत पर लगा रहता है ताला

ग्रामीणों ने बताया कि, हम कई बार पंचायत पर गए लेकिन हमें सिर्फवहां ताला लटका हुआ मिला कभी कभार अगर पंचायत हमें खुली मिली तो वहां कंप्यूटर आदि नही है। वहीं पूर्व में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी पंचायतों में बड़ी एक एलईडी सभी पंचायतों में लगाने के आदेश हुए थे, वह एलईडी भी पंचायत से गायब हो गई है। हमारे सूत्रों से जानकारी मिली है कि एलईडी सरपंच के घर की शोभा बढ़ा रही है। वही पंचायत गए तो हमने पूछा कि सहायक सचिव कौन है। तो कोई कहता है गजु चरपोटा है, तो कोई कहता है मुकेश निनामा है। लेकिन सहायक सचिव कौन है? ओर कौन । कार्य देख रहा है? ग्रामीण यह कहते हुए जरूर देखे गए कि सहायक सचिव का कार्यभार मुकेश निनामा देख रहा है। जबकि मुकेश निनामा पंचायत में कोई भी अधिकृत कार्य करने के लिए नही हैं।

निराश्रितो को नही मिल रही पेंशन।

# केशर की खुशबू से महका शहर, वरघोड़े में केशर के छापे लगाकर निकले जैनी

## जन्म वाचन के बाद भगवान को झुलाया पालने में

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

शहर का एमजी रोड केशर की खुशबू से उस वक्त महक उठा जब वरघोड़े में केशर के छापे लगाकर जैन समाजजन भगवान महावीर के जन्म वाचन के बाद हेमेन्द्रसरि भवन से निकले। वातावरण में हर और केशर की महक घुल गई, इससे वातावरण सुगंधित हो उठा।

उपाश्रय में वक्ताओ सचिन प्रभावचंद्र जैन और सचिन अशोक कुमार जैन ने कहा कि, भगवान महावीर ने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए पांच सिद्धांत हमें बताए। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य। वर्तमान में वर्तमान अशांत, आतंकी, भ्रष्ट और हिंसक वातावरण में महावीर की अहिंसा ही शांति प्रदान कर सकती है। महावीर की अहिंसा केवल सीधे वध को ही हिंसा नहीं मानती है, अपितु मन में किसी के प्रति बुरा विचार भी हिंसा है। जब मानव का मन ही साफहीं नहीं होगा तो अहिंसा को स्थान ही नही रहेगा।

नगर का वातावरण मंगलवार को सवेरे से ही धर्ममय नजर आ रहा था, अवसर था भगवान महावीर के जन्म कल्याण महोत्सव का। पर्वाधिराज पयुर्षण पर्व के पाचवें दिन जैसे ही वक्ताओं ने कल्पसूत्र के वाचन के दौरान भगवान महावीर के जन्म उत्सव का वाचन कर भगवान के जन्म होने की घोषणा की, वैसे ही उपाश्रय त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर के जयकारों से गुंज उठा तथा परिसर के बाहर ढोल-नगाड़े बज उठे और चारों और उत्साह का वातारवण छा गया। जन्म वाचन के बाद वरघोड़े (शोभायात्रा) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने सहभागिता की। वरघोड़े के समापन के पश्चात श्रीसंघ की और श्री हेमेंद्रसुरी भवन में स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी किया गया।

### सुमेरु पर्वत पर इंद्र और देवों ने प्रभु का जन्म कल्याणक मनाया

जैन द्वय ने बताया कि, भगवान के जन्म के पहले उनकी माता त्रिशला ने 14 स्वप्न देखे थे, जिनमें 14 स्वप्नो हाथी, वृषभ, सिंह, लक्ष्मी, फुलनी माला, चंद्रमा, सूर्य, ध्वजा, कुंभ (कलश), पद्म सरोवर, क्षीर समुद्र, देव विमान, रत्नो ढगलो, निर्धुम अग्री शामिल थे। अवसर्पिणी काल के अंतिम तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी का जन्म हुआ। बिहार प्रान्त के वैशाली गणराज्य के क्षत्रिय कुण्ड ग्राम के राजा सिद्धार्थ की रानी त्रिशलादेवी की रत्नकुक्षी (कोख) से चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मध्यरात्रि मे प्रभु का जन्म हुआ। प्रभु के जन्म से त्रिलोकों में आनन्दोत्सव छा गया। शिशु तीर्थंकर को सुमेरु पर्वत पर ले जाकर इंद्रो और देवों ने प्रभु का जन्म कल्याणक मनाया। प्रभात में महाराज सिद्धार्थ ने पुरे क्षेत्र के साथ मिलकर अपने पुण्यपुज्ज पुत्र का जन्मोत्सव आयोजित किया। कुमारावस्था में वर्धमान द्वारा किए गए महावीरोचित कार्यो के कारण वे महावीर नाम से विशेष विश्रुत हुए। तीस वर्षो तक महावीर ग्रहवास में रहे।

वक्ताओं ने बताया कि, भगवान महावीर का साधना काल बारह वर्ष छह महीने और पन्द्रह दिन का रहा। इस अवधि में भगवान ने तप, संयम और साम्यभाव की विलक्षण साधना की। शुलपाणि, कटपुतना, संगम आदि देवों, चण्डकौशिक आदि तिर्यंचों, अनार्यों तथा ग्वालों आदि मानवों ने प्रभु को लोमहर्षक उपसर्ग दिए। प्रभु के कानों में कीले तक ठोक दी गई। परन्तु कष्ट दाताओं को भी प्रभु ने अपना हितैषी ही माना। समय मात्र के लिए भी प्रभु के हृदय मे कष्ट देने वालों के प्रति अन्यथा भाव का उदय नहीं हुआ। कैवल्य प्राप्ति के पश्चात प्रभु ने तीस वर्षों तक धरा धाम पर विचरण किया। प्रभु की धर्मक्रान्ति से राजा से लेकर रंक तक प्रभावित हुए। श्रेणिक, चेट्क, कोणिक, उदयन, प्रधोत प्रभृति अनेक राजा प्रभु के उपासक बने। अभय कुमार, नन्दीसेण, मेघकुमार जैसे राजकुमार एवं शालिभद्र, धन्ना जैसे धनाधीशों ने अकूल वैभव को ठुकरा कर प्रभु के अपरिग्रह पथ पर चरणन्यास कर आत्मा का परा वैभव हस्तगत किया। महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत का उत्कृष्ट उद्घोष किया। पशुबलि और अस्पर्शयता का प्रबल विरोध किया। उन्होनें कहा मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता हैं। श्रेष्ठ कर्म करने वाला शुद्रकुलोत्पन्न व्यक्ति भी ब्राह्मण हैं।

### स्वप्नों की लगी बोलियां

श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि, महावीर जन्म वाचन के पूर्व माता त्रिशला द्वारा भगवान के जन्म से पूर्व देखे गए 14 स्वप्नों की बोलियां लगाई गई, जिसमें समाजजनों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की।

# अस्पताल के मुख्य दरवाजे के आस-पास सब्जी विक्रेताओं ने किया अतिक्रमण

### पेड़-पौधों की सुरक्षा जाली पर टांग जाते हैं फटे थैलें, कपड़े

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र युं तो भगवान भरोसे वाला अस्पताल माना जाता है। यहां का संपूर्ण परिसर गंदगी का पर्याय बना हुआ है, वहीं मुख्य द्वार पर सब्जी विक्रेता महिलाओं ने अतिक्रमण कर कब्जा कर रखा है, जिससे अस्पताल की बाहरी सुंदरता खराब हो रही है। स्वास्थ्यकर्मी तथा चिकित्सक कुछ भी कहने से डरते हैं, वहीं ब्लॉक मेडिकल अधिकारी यहां रहते नहीं है, आखिर कार्रवाई करें तो कौन...?

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र युं तो पहले से ही विभिन्न समस्याओं से जूझता आ रहा है, मगर वर्तमान में संपूर्ण परिसर में आस-पास, आगे-पीछे, बाऐ-दाऐ जिधर नजर डालो किसी न किसी तरह की गंदगी नजर आ ही जाएगी। इसे और अधिक बढ़ाने में यहां पर प्रतिदिन लगने वाली सब्जी दुकानों ने भी रही सही कसर पूरी कर दी है। स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य दरवाजे के दोनों तरफतथा आस-पास इन दिनों सब्जी विक्रेता विशेषकर महिलाओं ने कब्जा कर रखा है, जिस कारण अस्पताल में आने-जाने में परेशानी तो होती ही है वरन आवारा जानवरों से भी भय बना रहता है। दिनभर व्यवसाय करने के बाद सब्जी विक्रेता तंबू, फटे पुराने थैले, कपड़े तथा प्लास्टिक की थैलिया, झाड़ू आदि पौधों की सुरक्षा हेतु लगाई गई जाली पर टांग कर जाते हैं, जिस कारण अस्पताल की सुंदरता खराब होती है। ये ही नहीं शाम को यहां पर सब्जी-भाजी के अवशेष पड़े रहने से गंदगी पसरी रहती है। स्वास्थ्यकर्मी चिकित्सक इन्हें कुछ भी कहने या हटाने से डरते हैं, इन सब्जी विक्रेताओं एवं खरीदारों की भीड़ जो कि कोरोना गाईडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं के द्वारा संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। पूर्व में भी दो-तीन सब्जी विक्रेता महिलाएं व पुरुष कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं, जिनका इलाज अलिराजपुर जिला चिकित्सालय में किया गया था।

नागरिकों की मांग है कि, उन्हें स्वास्थ्य परिसर तथा स्वास्थ्य केंद्र के प्रमुख दरवाजे के पास से हटाकर व्यवस्थित स्थान पर बैठने की व्यवस्था प्रशासन को करना चाहिए।

# कलेक्टर के स्थानांतरण पर विदाई समारोह किया आयोजित

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता के स्थानांतरण पर उन्हें अधिकारी-कर्मचारीगण द्वारा विदाई दी गई। विदाई समारोह को श्रीमती गुप्ता ने संबोधित किया। अधिकारी-कर्मचारीगण ने पुष्पमाला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर श्रीमती गुप्ता का सम्मान किया। कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता के स्थानांतरण पर समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष अलीराजपुर में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने कहा, अलीराजपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कुपोषण सहित अन्य विकास कार्यों को करने की बहुत संभावनाएं है। उन्होंने जिले में कोरेना काल, टीकाकरण हेतु किए कार्यों को याद करते हुए सहयोग के लिए जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, मीडियाजन, समाज के प्रत्येक वर्ग सहित जिलेवासियों से मिले सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा, जिले को ओर उचाईयों पर ले जाने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारीगण लगातार प्रयास करें। उन्होनें सभी कर्मचारीगण का आह्वान किया कि, पब्लिक सर्विस का जो दायित्व हमें मिला है उसें पूर्ण निष्ठा के साथ सम्पादित करें। अलीराजपुर जिला नीत नए कीर्तिमान स्थापित करें, इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारीगण लगातार कार्य करें।

कार्यक्रम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, एसडीएम जोबट श्यामबीर सिंह, एसडीएम अलीराजपुर लक्ष्मी गामड, एसएलआर श्री व्यास ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण ने श्रीमती गुप्ता का पुष्पमाला तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

### स्वत्व निराकरण शिविर

**माही की गूंज, झाबुआ।** जिला प्रशासन द्वारा आम सूचना जारी की गई है। सर्व साधारण जिनके द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (6-क) के तहत अपने स्वत्व की परिवर्तित भूमि 1000 वर्गफीट तक के आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं। कोरोना की वजह से लंबित है जिससे आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन समस्याओं के निराकरण हेतु 9 सितंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक धारा 165 (6-क) के लघु क्षेत्रफल के प्रकरणों का निराकरण शिविर आयोजित किया जा रहा है। अतः नियत दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर निराकृत प्रकरणों की प्रति निःशुल्क प्राप्त करें।

# पार्टी, टिकट जिसको भी दे उसे भारी मतों से जिताए- श्री गेहलोद

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

जोबट विधानसभा क्षेत्र जिनकी विधायक हमारी लाडली बहन सुश्री कलावती भूरिया थी, उनके आकस्मिक निधन से रिक्त हुई इस सीट पर आगामी समय में उपचुनाव होना है। जिसकी तैयारी कांग्रेस पार्टी भी कर रहे हैं, पार्टी जिसे भी टिकट दे हम सभी को जी जान से जुटकर उसे जीत दिलाना है। उक्त विचार कांग्रेस पार्टी के पूर्व सेवा दल तथा जिलाध्यक्ष रहे उदयगढ़ निवासी राजेंद्रसिंह गेहलोद ने विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान आम्बुआ आने पर व्यक्त किए। श्री गेहलोद ने कहा कि, हम सुश्री कलावती भूरिया के कार्यो को याद करें, वे कितनी निडरता के साथ कड़ी मेहनत कर क्षेत्र के विकास में लगी हुई थी। उनके आकस्मिक निधन से जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति संभव नहीं है, मगर उनके जो कार्य अधूरे रह गए हैं उन्हें पूर्ण करना कांग्रेस पार्टी का कर्तव्य है। आगामी चुनाव की अभी घोषणा नहीं की गई है, मगर कभी भी घोषणा हो सकती है। चुंकीं जोबट विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा है, एक दो बार को छोड़कर कभी भी यहां के मतदाताओं ने पार्टी का साथ नहीं छोड़ा है। इस बार भी पार्टी जीते इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल तक मेहनत करना होगी, पार्टी किसे भी प्रत्याशी घोषित करें हमे उस प्रत्याशी को जिताना है, कांग्रेस का हाथ मजबूत करना है और स्व. कलावती भूरिया को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। मैं उदयगढ़ से लेकर जोबट ब्लॉक, आजाद नगर, अलीराजपुर ब्लॉक के कुछ गांवों तक गया हूं तथा अभी भ्रमण कर रहा हूं और कार्यकर्ताओं से अपील कर रहा हूं कि, वे पार्टी के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करें तथा एक बार पुनः जोबट विधानसभा सीट कांग्रेस ही जीते ऐसी मेहनत करें।

# आश्चर्यः रातों-रात उद्यान के हरे-भरे पेड़ काट बना दिया सीसी रोड़

नगर परिषद की मौन सहमति के साथ बना सीसी मार्ग।

कलेक्टर उद्यान का निरीक्षण करते हुए।

**माही की गूंज, थांदला।**

पयार्वरण की रक्षा इनके हितो की समझाइश देने वाले ही पर्यावरण की रक्षा तो ठीक वे ही उनके दुश्मन बनते नजर आ रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं थांदला नगर परिषद की, जहां पर्यावरण के हीतो और आमजन के मनोरंजन के लिए बनाए गए उद्यान को उजाडते हुए आखिरकार नगर परिषद ने उद्यान मे सीसी रोड निमार्ण कार्य प्रारंभ कर ही दिया। नगर परिषद द्वारा तमाम दावो को झुठलाकर, मनमानी पूर्वक कार्य कर, प्रशासन के स्थगन के बाद भी लगातार कार्य करते हुए सडक का निमार्ण किया जा रहा है। उद्यान को उजाडने से बचाने के लिए कई लोगो ने प्रशासन से लिखित व मौखिक निवेदन भी किया था, किन्तु प्रशासन ने भी जनहित को नजरअंदाज कर उद्यान मे सड़क निमार्ण के लिए मौन सहमति प्रदान कर ही दी, ऐसा प्रतीत होता है।

इस संबध मे एसडीएम ज्योति परस्ते से स्थगन हटाने व निमार्ण कार्य रूकवाने का पुछने पर उन्हाने मामले को दिखवाने का कहकर पल्ला झाड़ लिया। नगर परिषद द्वारा उद्यान को उजाड़ने की खबर समाचार-पत्रों में प्रमुखता से छपने के बाद कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उद्यान का निरीक्षण किया था। सूत्रों के अनुसार निरीक्षण के दौरान परिषद के जवाबदारों ने कलेक्टर को भ्रमित जानकारी दी। कलेक्टर के निरीक्षण के बाद कुछ दिन अवश्य कार्य बंद रहा, लेकिन उसके बाद सड़क निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रारंभ हो गया व रातों-रात सिमेट-कांक्रिट रोड का निर्माण कर दिया। नगर पालिका अधिनियम के अनुसार जनहित में मनोरंजन के साधनों को स्थापित करना व उनका विकास करना नगर परिषद का कर्तव्य है। लेकिन वर्तमान नगर परिषद का इस प्रकार के कार्यों में कोई रुचि नहीं दिखाई देती है। अब शायद भोपाल के वरिष्ठतम अधिकारी ही इस मामले की जांच करेंगे कि, उक्त उद्यान में किसे लाभ मिल रहा है ओर कौन किसको लाभ पहुंचा रहा है। जनता अभी मौन है, आने वाले समय में जनता ही इस उद्यान को उजाड़ने वालों को मुंहतौड जवाब देगी। तत्काल रोड निर्माण बंदकर उद्यान को मूल स्वरूप में लाना चाहिए। नगर के किसी अन्य स्थान पर उद्यान बनाया जाना अब संभव भी नहीं है, ऐसी स्थिति में इस धरोहर को बचाना हम सभी का दायित्व है।

### एनसीसी कैडेट्स ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का किया आयोजन

**माही की गूंज, अलीराजपुर।** शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीराजपुर में 21 म.प्र. बटालियन एनसीसी रतलाम के निर्देशानुसार महाविद्यालयीन एनसीसी टीम द्वारा फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के तहत 3 कि.मी. दौड़ का आयोजन रखा गया। यह दौड़ महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर दाहोद रोड़ उण्डवा फाटक तक आयोजित हुई, जिसमें एनसीसी के 35 कैडेट्स तथा महाविद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहें। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अल्पना बारिया ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। एनसीसी अधिकारी प्रो. मनराज भावसार ने बताया कि, यह दौड़ फिजिकल रुप से फिट रहने के लिए तथा आमजन में जागरुकता फैलाने के लिए आयोजित की गई। इसमें सीनियर अण्डर ऑफिसर अजय भिण्डे, अण्डर ऑफिसर प्रदीप जमरा, जगदी रावत, भारत चौहान, कमले रावत, भारती डावर, गर्विता चौहान व एनसीसी टीम उपस्थित थी।

# भारतीय किसान संघ ने किया धरना प्रदर्शन

**माही की गूंज, शाजापुर।**

भारतीय किसान संघ जिला शाजापुर के तत्वाधान में टंकी चौराहा स्थित आलू प्याज मंडी में हजारों किसानों के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें जिले भर के हजारों किसान संघ के कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के संगठन मंत्री महेश चौधरी एवं मालवा प्रांत संयोजिका गिरजा देवी ठाकुर उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बाहर से आए अतिथियों ने किसानों का मार्गदर्शन किया और कहां कि, हम भारतीय किसान संघ के प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार द्वारा दी जाने वाली एमएसपी पर बिल्कुल विश्वास नहीं करते, यह तो किसानों के साथ छलावा है। जब तक हमें हमारी फसलों का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य नहीं मिलता तब तक इस देश का किसान सुखी और समृद्ध नहीं हो सकता। उक्त सभी मुद्दों को लेकर ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि, जब पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य स्वीकारा जाता है, फिर भी मंडियों में भाव उससे कम रहते हैं, जिसे सुधारा जाए।

किसानों को सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य देना होगा। एक बार घोषित मूल्य के बाद कृषि आदान खर्चों में होने वाली महंगाई का समायोजन करते हुए महंगाई के अनुपात में वास्तविक मूल्य चुकाना होगा। घोषित मूल्य पर किसान की फसल का बेचना भी हो फिर चाहे मंडी में, चाहे मंडी के बाहर और चाहे सरकारी खरीदी हो, लेकिन घोषित मूल्य से कम पर विक्रय को अपराध माना जाए। ज्ञापन देने में कार्यकर्ताओं के साथ जिलाध्यक्ष, मंत्री सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

# सड़के बनाने का दावा करने वाली नप को झुठला रही वार्ड की खुदी पड़ी सड़के

**माही की गूंज, थांदला।**

नगर परिषद विकास के नाम पर अपनी पीठ स्वंय थपथपा रही है, लेकिन वार्डो की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर के वार्ड क्र. 11 के लोग मूलभूत आवश्यकताओ के लिए तरस रहे है। वार्ड की पीरसाहब गली के लोगो को रोज नाली के गंदे पानी के बीच मे होकर आना-जाना कर रहे है। पीरसाहब गली, पार्श्वनाथ मार्ग, कुवे वाली गली मे पाईप लाईन डालने के लिए खोदी गई सडक को अभी तक नही बनाया गया है और न ही सडको की मरम्मत की गई। नगर परिषद पूरे नगर मे सडके बनाने का दावा भर रही है लेकिन इन गलियो की सडके परिषद के दावो को झुठला रही है। पीरसाहब गली की टुटी पुट्टी नालीयो का गंदा पानी सडको पर जमा हो रहा है, नालीया नही बनी होने से चारो तरफगंदगी व बदबू से लोग परेशान है। वही गंदे पानी से बीमारीया फैलने का खतरा बढ रहा है।

पीरसाहब गली के मुन्नाभाई शाहिद खान, मोईनुददीन नावेद खान आदि ने बताया कि, हमने सडक व नाली के लिए पार्षद अध्यक्ष व सीएमओ सभी को कई बार बताया लेकिन कोई हल नही निकल पा रहा है। स्थितियां जस की तस बनी हुई है और वार्ड पार्षद को भी हम शिकायत कर थक चुके है।

परिषद के उपयंत्री पप्पू बारीया का कहना है कि, पीरसाहब गली मे 2 लाख की लागत से नाली निर्माण कार्य के लिए कार्यादेश जारी किए है। करीब 6 माह से अधिक हो चुका है लेकिन ठेकेदार द्वारा कार्य प्रांरभ नही किया जा रहा है।

जबकि एमडी कन्सट्रक्शन के दानिश खान का कहना है कि, मेरा परिषद मे पिछला भुगतान बकाया है, पूर्व का भुगतान होने के बाद दूसरा कार्य किया जाएगा।

वार्ड पार्षद आनंद बाबु दादा चौहान का कहना है कि, मेरे द्वारा वार्ड की समस्याओं के बारे मे कई बार मौखिक ओर लिखित रूप से अध्यक्ष व सीएमओ को अवगत करवाया गया है। उनके द्वारा शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया है।

गौरतलब है कि, नगर का वार्ड क्र. 11 मे भाजपा की प्रदेश मंत्री संगीता विश्वास सोनी का भी निवास है। जो पूर्व मे इस वार्ड की पार्षद भी रह चुकी है तथा वार्ड 11 पार्षद भी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष के पुत्र है। उसके बाद भी वार्ड विकास कार्यो मे पिछडा हुआ है अन्य वार्ड की अपेक्षा वार्ड क्र 11 मे विकास की गति काफी धीमी है।

मामले में सीएमओ नगर परिषद थांदला भारतसिंह टांक ने बताया, मैने दो दिन पहले ही पदभार ग्रहण किया है, पार्षद और उपयंत्री से चर्चा कर वार्ड की समस्याओ का शीघ्र निदान कर दिया जाएगा।

# अपने मुंह मियां मिट्ठू बनकर हंसी उड़वा रहे है कलेक्टर साहब

## कलेक्टर झाबुआ के फेसबुक पेज की पोस्ट के मुद्दों पर सवाल उठा रहे यूजर्स

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

एक कहानी बड़ी मशहूर है, एक राजा था उसके पास एक तोता था वह सोने के पिंजरे में रहता था, अच्छे-अच्छे और स्वादिष्ट मेवे व फल खाता था। राजा-रानी तोते को बहुत प्यार करते थे कहीं तोता उड़ न जाए, इस डर से वे न तो कभी उसे पिंजरे से बाहर निकालते और न ही पिंजरे को महल से बाहर ले जाते। तोता हमेशा अपनी तारीफमें गाना गाता रहता।

''मैं राजा का तोता हूं, मै महलों में सोता हूं,
मेवे-फल मैं खाता हूं, गीत खुशी के गाता हूं।
मेरा पिंजरा सोने का, डर नहीं मुझे शिकारी का,
मैं राजा का प्यारा हूं, सारे जग से न्यारा हूं।''

राजा के बगीचे में पेड़ों पर ढेर सारे तोते रहते थे। वे रोजाना राजा के तोते का गाना सुनते ओर वे सोचते थे कि राजा का तोता कितना मुर्ख है। महल और सोने के पिंजरे की चमक-दमक के आगे वह भूल गया है कि, राजा ने उसे अपने मन को बहलाने के लिए कैद कर रखा है। उसे क्या पता कि ताजी और खुली हवा का आनंद क्या होता है। खुले गगन में उड़ना कितना अच्छा लगता है और वह कितना घमंडी है, जो अपनी तारीफ खुद करता रहता है। एक दिन कुछ तोते महल के अंदर चले गए। राजा का तोता बाहर से आए तोतों को चिढ़ाने के लिए बार-बार अपना गाना गाने लगा। इस पर बाहर से आए तोते जोर-जोर से हंसने लगे और बोले -

''मन मरजी के राजा हम, खुले गगन में रहते हम।
सब कुछ खाते-पीते हम, गीत प्यार के गाते हम,
सारी दुनिया महल हमारा, बाग-बगीचे जंगल सारा।
अपने मुंह मियां मिट्ठू तुम हो राजा के पिट्ठू।'' राजा के तोते को बार-बार अपने मुंह मियां मिट्ठू कहते हुए सारे तोते एक-एक कर उड़ते हुए बाहर चले गए।

इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि, हमें अपने मुंह मियां मिट्ठू नहीं बनना चाहिए, नहीं तो लोग हमारा मजाक उड़ाएंगे। वास्तव में हमें अच्छे काम करने चाहिए, जिससे देखने वाले लोग खुद हमारी तारीफ करने लगे। हमारा स्वभाव, चरित्र और गुण ऐसे होने चाहिए, जो दूसरों के लिए मिसाल बन जाए।

यह कहानी और कहावत इन दिनों झाबुआ कलेक्टर व उनके प्रशासनिक अमले पर सटीक साबित होती नजर आ रही है। हो कुछ ऐसा रहा है कि, पिछले कुछ महीनों से होने वाली साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा अपने अधिनस्तों को यह निर्देश दिए जा रहे है कि, ''सभी कार्यालय प्रमुख अपने विभाग का फेसबुक अकाउंट एवं ट्यूटर अकाउंट अनिवार्य रूप से खोले। जिसमें विभाग की गतिविधियों को पोस्ट करे तथा शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इस अकाउंट से करें। अधिकांश विभागों ने अपने कार्यालय के ट्यूटर अकाउंट एवं फेसबुक अकाउंट खोल दिए गए है। जिस पर विभाग की गतिविधियों को दर्ज करने की कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है।'' इन फेसबुक व ट्वीटर अकाउंटों से विभागों की गतिविधियां 'मीठा-मीठा गट और कड़वा-कड़वा थू' जैसी कहावतों को चरितार्थ करते हुए 'अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने' की कवायदें शुरू हो गई। विभागों के इस फेसबुक व ट्वीटर अकाउंटों से शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार तो मानों 'गधे के सिंग की तरह अब तक तो गायब ही नजर आ रहा है।' विभागों द्वारा इन अकाउंटों से लोक-लुभावन पोस्टें की जा रही है। मगर जमीनी स्थिति तो 'ढाक के तीन पात' की तरह ही है।

उदाहरण के लिए नगरपालिका द्वारा 'हम होंगे फिर कामयाब' मिशन चलाया जा रहा है। इसको लेकर रोजाना पोस्ट अपलोड की जा रही है कि, आज फलां-फलां वार्ड में फलां- फलां गली में सफाई व कचरा एकत्रित करने की कार्रवाई की गई। देखा जाए तो यह नगरपालिका का कर्तव्य और रोज की दिनचर्या भी यही होनी चाहिए कि, वह शहर में सफाई व्यवस्था चॉक-चौबंद रखे। मगर कलेक्टर के आदेश के बाद नगरपालिका झाबुआ ने अपने दीनचर्या के कामों को अभियान का नाम देकर अपलोड करना शुरू कर दिया। यानि 'अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने की कवायद'। हकीकत में जमीनी स्तर पर स्थिति 'ढाक के तीन पात है' और नगरपालिका के पास अब भी ऐसे कई कार्य है जो वर्षों से भ्रष्टाचार की जद में आकर अधूरे पड़े है। इन अधूरे पड़े कार्यों में प्रमुख नगर के तालाबों का सौंदर्यीकरण है, जो पिछले कई वर्षों से अधूरा है और नगरपालिका की नाकामी पर मुंह चिढ़ाता हुआ बदबू मार रहा है। नगरपालिका को इन अधूरे पड़े कामों की जानकारी भी अपने फेसबुक व ट्यूटर अकाउंट से देनी चाहिए। मगर हम जानते है कि ऐसा नहीं होगा...! क्योंकि कलेक्टर के आदेश के मुताबिक 'मीठा-मीठा गट और कड़वा-कड़वा थू' ही करना है। ऐसी ही कुछ स्थिति अन्य विभागों की भी है।

कलेक्टर खुद भी मियां मिट्ठू बनने की जद में है और सवालों के घेरे में खड़े होकर अपनी हंसी उड़वा रहे है। जैसा की कहानी का उद्देश्य और शिक्षा है कि, हमें अपने मुंह मियां मिट्ठू नहीं बनना चाहिए नहीं तो लोग हमारा मजाक उड़ाएंगे। वास्तव में हमें अच्छे काम करने चाहिए, जिससे देखने वाले लोग खुद हमारी तारीफ करने लगे। हमारा स्वभाव, चरित्र और गुण ऐसे होने चाहिए, जो दूसरों के लिए मिसाल बन जाए। मगर इसके उलट कलेक्टर मिश्रा भी कहानी के उद्देश्य और शिक्षा के विपरीत मियां मिट्ठू बनने की चपेट में आ गए और सवाल खड़े हो गए...!

हुआ यूं कि कलेक्टर झाबुआ के फेसबुक पेज से सोमवार शाम 4 बजकर 5 मिनट पर एक पोस्ट अपलोड की गई। पोस्ट में पीआरओ द्वारा जारी एक समाचार व दो-चार चित्र थे। पीआरओ द्वारा जारी समाचार का मामला यह था कि, सोमवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पोलेटेक्नीक कॉलेज के समीप ही नव निर्मित बालक छात्रावास का निरीक्षण किया था। यहां कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए कि, यहां पर कम्प्यूटर कक्षा, लायब्रेरी, जीम एवं बेहतर ग्राउण्ड जिसमें क्रिकेट, बेडमिंटन, बास्केट बाल ग्राउण्ड की बेहतर सुविधा उपलब्ध करावाएं। यहां पर सभी खिड़कियों में मच्छर जाली अनिवार्य रूप से लगाएं। यहां की छत पर रूफवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का भी अवलोकन किया एवं इस हॉस्टल का तत्काल लोकापर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बस यह पोस्ट कलेक्टर के फेसबुक पेज से डलना थी कि 17 मिनट बाद मतलब 4 बजकर 22 मिनट पर इस पोस्ट पर तिलमिलाते हुए एक नाराज यूजर प्रशांत नायक ने कमेंट करते हुए प्रश्न दाग दिया कि, फर्जी नर्सिंग कॉलेजों का निरीक्षण कब होगा सर ? जब हमने प्रशांत की फेसबुक आईडी खंगाली तो पता चला कि प्रशांक नायक नर्सिंग छात्र संगठन के राष्ट्रीय सचिव है। कुछ दिनों पहले ही जिला मुख्यालय पर नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ उन्होने जिला प्रशासन को एक ही बिल्डिंग में चार से पांच नर्सिंग कॉलेज संचालित होने की शिकायत करते हुए ज्ञापन सौंपा था। कलेक्टर के फेसबुक पेज पर हुई पोस्ट के कमेंट से यह भी साबित होता है कि, नर्सिंग छात्र संगठन द्वारा दिए गए शिकायती ज्ञापन पर अब तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। जबकि नर्सिंग छात्र संगठन की यह शिकायत गंभीर थी।

इन सारी बातों का सीधा मतलब तो यही निकाला जा सकता है कि, साहब भी अब 'मीठा-मीठा गट और कड़वा-कड़वा थू' करके 'अपने मुंह मिया मिट्ठू' बनने की कवायद में उलझ गए है। कलेक्टर और उनके अधिनस्थ अधिकारियों को चाहिए कि वे अपने विभागों की विफलता, भ्रष्टाचार व अधूरे पड़े कार्यों की जानकारी भी इन फेसबुक व ट्वीटर अकाउंटों से साझा करें, ताकि जिलेवासियों को 'दूध का दूध और पानी का पानी' साफ-साफ नजर आए।

# अन्न उत्सव कार्यक्रम के दिन नहीं खुली सोसाइटी, मंडल प्रभारी 5 घन्टे इंतजार के बाद खाली हाथ लौटे

## सेल्समैन की लापरवाही की वजह से नहीं हुआ अनाज का वितरण

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले भर की सोसाइटीयो पर प्रधानमंत्री योजना के माध्यम से फ्री दिए जाने वाले अनाज के वितरण कार्यक्रम के दूसरे दौर में पेटलावद विकास खण्ड की गोदड़िया पंचायत में भाजपा द्वारा तय कार्यक्रम अनुसार अन्न उत्सव कार्यक्रम नही मनाया जा सका। संगठन ने अन्न उत्सव की रूप रेखा तैयार कर क्षेत्र भर के जनप्रतिनिधियों को प्रभारी बनाए गए थे। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में गोदड़िया सोसाइटी पर जनपद सदस्य तेजमल सोलंकी को प्रभारी बनाया गया था।

जनपद सदस्य तेजमल सोलंकी ने बताया कि, सुबह साढ़े 10 बजे तय कार्यक्रम अनुसार सोसायटी पर पहुँचा, जब तक कोई नही आया। इसके बाद पता लगा कि सोसाइटी के सेल्समैन सालिग्राम पाटीदार के पास तीन सोसायटीयो का प्रभार है और वो दूसरी सोसाइटी पर व्यस्त है। सेल्समैन द्वारा भाजपा के कार्यक्रम प्रभारी को सोसाइटी नही खुलने की सूचना तक नही दी और लगभग 2 बजे तक इंतजार करने के बाद भी जब सेल्समैन नही आया तो इसकी सूचना एसडीएम शिशिर गेमावत की दी। जिन्होंने मामले को देखने की बात कर इतिश्री कर ली। इधर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी सेल्समैन के प्रभाव में आकर आयोजन को अगले दिन करने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया। लगभग 5 घन्टे इंतज़ार करने की स्थिति में जनप्रतिनिधि को ग्रामीणों की हंसी का पात्र बनना पड़ा।

जनपद सदस्य सोलंकी का कहना है कि, एक व्यक्ति को तीन-तीन सोसाइटी का प्रभार क्यों दिया जा रहा है, जबकि कई समूह अनाज वितरण का कार्य कर रहे है। जनपद सदस्य सोलंकी का कहना है, सेल्समैन सालिग्राम पाटीदार की शिकायत कर अन्य किसी सेल्समैन को गोदड़िया सोसाइटी पर नियुक्ति देने की मांग करूंगा, ताकि ग्रामीणों को परेशान नही होना पड़े।

## एनएसूयआई ने बीजेपी का पुतला दहन किया

माही की गूंज, झाबुआ। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की जिला इकाई ने 8 सितंबर, बुधवार को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ के परिसर में बीजेपी का पुतला दहन किया। इससे पूर्व बीजेपी हाय-हाय, बीजेपी भ्रष्टाचार से बाज आओ ... के जमकर नारे भी लगाए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनय भाबोर ने बताया कि आज बीजेपी सरकार पूरे प्रदेश में ट्रांसफर उद्योग चला रही है। उससे झाबुआ जिला भी अछूता नही है। झाबुआ जिले में बीजेपी के नेता-पदाधिकारी पैसा लेकर ट्रांसफर करवा रहे है। जिसने पैसे दिए, उसका मन मुताबिक ट्रांसफर हो रहा है। अभी एक-दो दिन पहले ही एबीवीपी ने बीजेपी के नेताओ का पुतला जला कर भाजपा पर पैसा लेकर ट्रांसफर रोकने का आरोप लगाया। जिससे ये साबित होता है किस तरह बीजेपी के नेता पैसा ले कर ट्रांसफर कर रहे है एवं रूकवा भी रहे है।

# जमीन विवाद व नामांतरण को लेकर हुआ ऐसा विवाद की एक की हुई मौत बाकी पहुंचे जेल

माही की गूंज, पारा। गजेंद्र चौहान

आपसी सामंजस्य नहीं होकर जब परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद होते हैं तो वह संपत्ति तो अपनी जगह रह जाती है और मामला कहां के कहां तक पहुंच जाता है यह कहा भी नहीं जा सकता है। जिले में कई मामले जमीन विवाद को लेकर होते हैं और कुछ विवाद खूनी संघर्ष तक पहुंच जाते है।

ऐसा ही कुछ मामला सोमवार को पारा बस स्टैंड पर दिनदहाड़े देखने को मिला, जिसे देख हर कोई डरे व सहमे से रह गए। मामला पारा चौकी अंतर्गत ग्राम कुबेर पुरा निवासी राघुसिंह डामोर व उसके भाई थावरिया, रलसिंह पिता दितिया व परिवार के तोलू पिता रायसिंह डामोर आदि के साथ जमीन विवाद व नामांतरण को लेकर पुराने चल रहे विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि, राघुसिंह को रलसिंग और थावरिया, तोलू आदि ने जमकर लट्ठ व पत्थरों से तब तक पीटा जब तक की राघुसिंह मृत अवस्था में जमीन पर गिर नही गया। हमलावर परिवार के सभी सदस्य राघुसिंह को मर चुका समझकर मौके से फरार हो गए।

उक्त खूनी संघर्ष की सूचना पुलिस को लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल राघुसिंह को स्थानीय उपचार के साथ जिला चिकित्सालय उपचार हेतु ले जाया गया।

गंभीर अवस्था को देखते हुए परिजन गुजरात में उपचार हेतु ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान राघुसिंह की मौत हो गई।

### बेटा आया जेल से हुआ अंतिम संस्कार

बताया जा रहा है, राघुसिंह भी अपराधी पृष्ठभूमि का होकर कई मामले उसके विरुद्ध पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। वही राघुसिंह का बेटा जामसिंह भी किसी मामले में जेल में ही है। राघुसिंह की मौत के बाद बुधवार को राघुसिंह के पुत्र जामसिंह को पिता के अंतिम संस्कार हेतु परमिशन मांगने पर पिता के अंतिम संस्कार हेतु जेल से परमिशन मिली और बुधवार को उसके ग्रह ग्राम में राघुसिंह का अंतिम संस्कार पुलिस की मौजूदगी में किया गया।

### दो दिन में पकड़े चार आरोपी

पुलिस ने दिन-दहाड़े हुए विवाद एवं राघुसिंह की मौत के मामले में सोमवार एवं मंगलवार की रात्रि में दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान ने बताया, चार आरोपियों को मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 307 का मामला दर्ज किया है। मृत राघुसिंह की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा। फिलहाल घटना की पूर्ण जांच की जा रही है।

# तथर्थ योजना में पुरानी तारिख में बिल बनने का आया मामला सामने

## आरटीआई कार्यकर्ता ने दुकानदार से बातचीत का ऑडियो गूंज को देकर की पुष्टि

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना पेटलावद का कार्यालय इन दिनों काफी चर्चा में है। पहले साड़ी वितरण को लेकर मामला चर्चित रहा, जिसकी जांच जारी है। दूसरा मामला वर्ष 2015-16 से समस्त आँगवाडीयो के लिए आई तथर्थ योजना की राशि है, जिसका खर्च तथर्थ समिति के माध्यम से करना था। राशि खर्च भी कर दी गई लेकिन उसका जित्र 2021 में बहार आया। उक्त खर्च की गई राशि की जानकारी सूचना अधिकार में मांगी गई। विभाग के रिकॉर्ड में कई आंगनवाड़ीयो में खर्च की गई राशि के बिल बाउचर नही है, जिसकी व्ययस्था के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को बिल की जुगाड़ करने के लिए निर्देशित किया गया। बामनिया के आरटीआई कार्यकर्ता खुशवंत डामर को मामले की जानकारी मिली तो परियोजना अधिकारी द्वारा तय की गई स्टेशनरी की दुकान से बिल के लिए संपर्क किया, तो कमीशन के आधार पर दुकानदार ने बातकर पुरानी तारिक में बिल देने की हां कर दी। जिसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग भी आरटीआई कार्यकर्ता ने गूंज को उपलब्ध करवाई।

आरटीआई कार्यकर्ता खुशवंत डामर ने बताया कि, पेटलावद की राजश्री स्टेशनरी से बात करने पर पुरानी तारिख में बिल बैंक पासबुक की एंट्री के आधार पर कमीशन लेकर देने की हामी भर दी। कमिशन कितना होगा वह मोबाइल पर नहीं बता सकते है कहा। मामले में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी इशिता मसाणिया अपना कोई साफजवाब नही दे पाई।

आरटीआई कार्यकर्ता को राजश्री स्टेशनरी संचालक किस तरह से पुराने वर्ष के भी फर्जी बिल कमिशन के आधार पर बना दुंगा कहा, सुने पुरी बात क्युआर कोड स्केन कर।

## नपा के पौधरोपण अभियान में सभी ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

नगर पालिका द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों पर 651 पौध रोंपे गए। पौधरोपण अभियान भीमा डामोर, पूर्व संसदीय सचिव कुशलगढ़ के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ । डूंगरा रोड पर दोनों तरफनीम के पौधे, टीमेड़ा रोड पर सीसम, केसियासामा, कालीकरंज, गणीयारा के पौधे, कला बाउजी रोड पर गुलमोहर, अमलतास, कंचनार के पौधे, कोटडा रोड़ पर पीपल, बरगद, कल्पवृक्ष, रुद्राक्ष के पौधे, रतलाम रोड इमली, आंवला, जामुन, आम के पौधे, थांदला रोड़ पर सिरम, बिल्वपत्र, कालीकरंज, सिसम, नीम, गणीयारा के पौधे पहले से तैयार सीमेंट के ट्री-गार्ड में लगाए गए। कार्यक्रम के लिए विवेकानंद फाउंडेशन संस्था बांसवाड़ा एवं क्षेत्रीय वन मंडल कुशलगढ़ ने पौधे उपलब्ध करवाएं। डूंगरा मार्ग पर हुए शुभारंभ समारोह में ब्लॉक स्तरीय समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए, साथ ही वन विभाग, रोटरी क्लब, निजी स्कूल संचालक संघ, स्काउट गाईड, बीएलओ, चिकित्सा विभाग, उपखंड प्रशासन, तहसील प्रशासन, शिक्षा विभाग, बिजली विभाग, जलदाय विभाग, पुलिस प्रशासन, पेंशनर समाज, एकता समिति, धरोहर सेवा संस्थान आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा, उपखंड अधिकारी बद्रीलाल सुथार, उपाध्यक्ष नितेश बैरागी, पुलिस उप अधीक्षक संदीप सिंह शक्तावत, नपा अधिषासी अधिकारी ललित सिंह राठौड़, बीसीएमओ डॉ. राजेंद्र उज्जैनिया, आयोजन समिति सदस्य एवं पार्षद रजनीकांत खाबिया, तहसीलदार नितिन मेरावत, विद्युत विभाग सहायक अभियंता केसी जाझोरिया, जलदाय विभाग सहायक अभियंता निखिल त्रिवेदी, पूर्व बीडीओ इच्छशंकर जोशी, रोटरी क्लब अध्यक्ष राजेंद्र गादिया, क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेंद्र शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता छगन खड़िया, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शंभूलाल नायक, पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता रामसिंह कोठारी, स्काउट गाईड के दिगपाल सिंह राठौड़, भामाशाह सुधीर स्वर्णकार, समाजसेवी मुकेश अग्रवाल, बार एसोसिएशन के हरेंद्र पाठक, विप्र फाउंडेशन के हेमेंद्र पंड्या, भाजपा जिला महामंत्री जिनेन्द्र सेठिया, भाजपा महामंत्री रामकिशन मकवाना, कमलेश टेलर, भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद ज्योत्स्ना बेन पंड्या, भाजपा वरिष्ठ नेता मुस्ताक भाई मकरानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश कावड़िया, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष तिलोत्तमा पंड्या सहित पार्षद गण दिनेश परिहार, मोना राठौड़, कुलदीप मेरावत, शंकर डामोर, राहुल भोई, दिलीप टेलर, महेंद्र शाह, राहुल सोनी, जितेंद्र आहारी, महावीर कोठारी, जैनब चूड़ीवाला, साफिया कौसर, रमणलाल टेलर, नरेश गादिया, आशीष चोपड़ा, महेंद्र परमार, राजकुमार पंचोली, दीपेश पंचाल, पायल पंड्या, शंकर भोई सहित नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी, समाजसेवी एवं समस्त स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422